श्रावण शुक्ल - 3 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 5 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 27-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बिहार में हालात भयावह हो गए हैं : चिराग पासवान

6 कैप्टन अक्षत उपाध्याय : समय पर सही फैसला लेकर बचाई सैकड़ों लोगों की जान

7 सुष्मिता सेन की युवाओं से अपील 'सपने देखें पर हिम्मत भी जरूरी'

फर्स्ट टेक

विश्वसनीय वैश्विक नेताओं में मोदी सबसे शीर्ष पर

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी बिज़नेस इंटेलिज़ेंस फर्म मॉर्निंग कन्सल्ट के ताज़ा सर्वेक्षण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर दुनिया के सबसे लोकप्रिय लोकतांत्रिक नेता के रूप में उभरे हैं। सर्वे के अनुसार 75 प्रतिशत लोगों ने मोदी को अपना पसंदीदा नेता माना है। इस फर्म ने 'ग्लोबल लीडर अप्रूवल ट्रैकर' के लिए चार से 10 जुलाई के बीच सर्वे किया था। इसमें दुनिया भर में लोगों की राय ली गई जिसमें 75 प्रतिशत ने प्रधानमंत्री मोदी के पक्ष में सहमति दी। मोदी के बाद दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग को 59 प्रतिशत, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली को 57 प्रतिशत और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को 56 प्रतिशत सहमति प्राप्त हुई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 44 प्रतिशत लोगों की पसंद के साथ आठवें स्थान पर हैं। वहीं इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी महज 40 प्रतिशत के साथ 10वें नंबर पर हैं।

एक साल के बच्चे ने जिंदा नाग को चबाकर मार डाला

बेतिया/भाषा। बिहार के एक सुदूर गांव में एक साल के बच्चे ने जहरीले नाग को दांत से काटकर मार डाला। स्थानीय लोगों ने यह दावा किया। यह विचित्र घटना पश्चिम चंपारण जिले में घटी। परिवार के सदस्य बच्चे को बेतिया शहर के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल में लेकर आए। अस्पताल अधीक्षक दुवकांत मिश्रा ने शनिवार को बताया, ''लड़के गोविंद कुमार को कल उसके गांव के नजदीक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से यहां रेफर किया गया था। वह जीवित सांप को चबाने के बाद बेहोश हो गया था और परिवार के सदस्य उसे अस्पताल लाए थे।'' मिश्रा ने बताया, ''परिवार के सदस्यों का दावा है कि उसने मझौलिया प्रखंड के मोहच्छी बनकटवा गांव में स्थित अपने घर पर सांप को पकड़ लिया था। उसे सांप के साथ उसकी दादी ने देखा और जब तक वह रोक पातीं, तब तक बच्चे ने सांप को काट लिया था। नाग फर्श पर मृत पड़ा था, जबकि बच्चा भी बेहोश हो गया था।''

ईरान में अदालत भवन पर अज्ञात बंदूकधारियों का हमला, छह की मौत

दुबई/एपी। ईरान के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में एक अदालत की इमारत पर शनिवार को अज्ञात हमलावरों ने बंदूक और ग्रेनेड से हमला किया, जिसमें एक बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। सरकारी टीवी ने एक खबर में यह जानकारी दी। खबर के अनुसार देश के अशांत दक्षिणी प्रांत सिस्तान और बलूचिस्तान में हुई सशस्त्र झड़प में सुरक्षा बलों ने तीन बंदूकधारियों को मार गिराया।

27-07-2025 सूर्यास्त 6:48 बजे | 28-07-2025 सूर्योदय 6:04 बजे

BSE 81,463.09 (-721.08) | NSE 24,837.00 (-225.10)

सोना 10,284 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 116,534 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हाल-बेहाल

रंग उड़े मंहगाई से,
यूक्रेन झेलता बम गोली।
मँहगाई ने पर खोल दिए,
हालत निर्धन की है पोली।
हम अमन देश का माँग रहे,
फैला करके अपनी झोली।।
नेतागण फेंक रहे कीचड़,
कानूनों की जलती होली।

दुश्मन के ठिकानों को नष्ट करने में

'मेक इन इंडिया' हथियारों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका : मोदी

ब्रिटेन के साथ 'ऐतिहासिक' व्यापार समझौता भारत पर दुनिया के विश्वास को दर्शाता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में 4,900 करोड़ रुपए की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

तूतीकोरिन/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और ब्रिटेन के बीच हाल में संपन्न मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को शनिवार को 'ऐतिहासिक' करार दिया और कहा कि यह व्यापार समझौता भारत पर दुनिया के विश्वास को दर्शाता है।

ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत निर्मित हथियारों ने सीमा पार सैन्य अभियान के दौरान दुश्मन के ठिकानों को नष्ट करने में बड़ी भूमिका निभाई और दुश्मनों की नींद उड़ा दी।

प्रधानमंत्री ने यहां 4,900 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण एवं शिलान्यास किया तथा तमिलनाडु के विकास के प्रति राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि वह अपने विदेश दौरे को पूरा करने के बाद सीधे तमिलनाडु में आकर धन्य हो गए हैं। इस दौरान मालदीव की उनकी यात्रा से पहले भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौता 'ऐतिहासिक' है।

मोदी ने कहा, ''भारत और ब्रिटेन ने एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह दुनिया के बढ़ते भरोसे और हमारे आत्मविश्वास को दर्शाता है। हम इसी आत्मविश्वास के साथ विकसित भारत और विकसित तमिलनाडु बनाएंगे।'' पारंपरिक वेष्टी (धोती), कमीज और गले में अंगवस्त्रम पहने हुए मोदी ने कहा, ''ब्रिटेन के साथ एफटीए हमारे विकसित भारत, विकसित तमिलनाडु के दृष्टिकोण को गति देता है।''

मालदीव का अपना आधिकारिक दौरा समाप्त करने के बाद वह सीधे यहां पहुंचे।

मैंने नैतिकता के आधार पर पीपलोदी हादसे की जिम्मेदारी ली : दिलावर

जयपुर/भाषा। राजस्थान के स्कूली शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने नैतिकता के आधार पर पीपलोदी हादसे की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने कहा कि हादसे की विस्तृत जांच करवाई जा रही है और उसी आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने शनिवार को भरतपुर और डीग का दौरा किया। वहीं भरतपुर में सार्वजनिक सभा के दौरान गुलाब की पंखुड़ियों, मालाओं के साथ मंत्री का स्वागत किए जाने की सोशल मीडिया पर आलोचना हुई। जिस पर मंत्री ने कहा कि उन्होंने लोगों को उनका स्वागत करने से मना किया था। दिलावर ने कहा, मैंने कहीं भी स्वागत सम्मान नहीं करवाया। लोगों ने करना चाहा लेकिन मैंने मना कर दिया। मैं कभी माला नहीं पहनता। 36 साल हो गए, मैंने माला नहीं पहनी। हादसे की जिम्मेदारी लिए जाने संबंधी एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, मैंने नैतिकता के आधार पर हादसे की जिम्मेदारी ली क्योंकि जब शिक्षा विभाग में कोई अच्छा काम होता है तो मैं जिम्मेदारी लेता हूं।

थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा

ऑपरेशन सिंदूर ने दिया पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

द्रास (करगिल)/भाषा। थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किए गए हमलों ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद के समर्थकों को बख्शा नहीं जाएगा।

जनरल द्विवेदी ने यहां करगिल युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के लिए एक संदेश था और साथ ही यह पूरे देश (भारत) को गहरा जख्म देने वाले पहलगाम आतंकवादी हमले का जवाब भी था। इस बार भारत ने न केवल शोक व्यक्त किया बल्कि यह भी दिखाया कि जवाब निर्णायक होगा।''

सेना प्रमुख ने विजय दिवस पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दुश्मन को कड़ा जवाब देना भारत के लिए अब सामान्य बात है। उन्होंने कहा, ''देशवासियों द्वारा दिखाए गए विश्वास और सरकार द्वारा दी गई खुली छूट के कारण भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया। कोई भी ताकत जो भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता को चुनौती देने या लोगों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगी, उसे करारा जवाब दिया जाएगा। यह भारत के लिए अब सामान्य बात है।'' जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना ने निर्दोषों को कोई नुकसान पहुंचाए बिना पाकिस्तान में नौ महत्वपूर्ण आतंकवादी ढांचों को नष्ट किया। उन्होंने कहा, ''भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचों को प्रभावी ढंग से निशाना बनाकर निर्णायक जीत हासिल की। सेना ने आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया और निर्णायक जीत हासिल करने के लिए पाकिस्तान के अन्य आक्रामक प्रयासों को विफल किया।''

राष्ट्र के विकास के लिए

भारतीय दर्शन पर आधारित शिक्षा प्रणाली आवश्यक : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि देश में शिक्षा प्रणाली औपनिवेशिक विचारों के दीर्घकालिक प्रभाव में विकसित हुई है और एक विकसित राष्ट्र के लिए भारतीय दर्शन पर आधारित एक विकल्प तैयार करने की आवश्यकता है।

आरएसएस से जुड़े शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चिंतन बैठक के दूसरे दिन प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि इसके लिए दृष्टिकोण गंभीर, यथार्थवादी और पूरी तरह भारतीय आधार वाला होनी चाहिए।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा जारी बयान के अनुसार, उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे हैं, उन्हें अपने काम में निपुण होना चाहिए, दूसरों के लिए मिसाल बनना चाहिए और आपसी अच्छे संबंध बनाने चाहिए ताकि सब मिलकर देश को आगे ले जा सकें।

बयान में यह भी कहा गया कि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास रविवार शाम को यहां राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन 'ज्ञान सभा' का आयोजन करेगा, जिसे भागवत संबोधित करेंगे।

संगठन ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन सोमवार को होगा।

एक बयान में संगठन ने दावा किया कि भारतीय दर्शन पर आधारित शिक्षा प्रणाली सामाजिक सुधार और राष्ट्रीय प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेगी।

यह बयान शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय महासचिव अतुल कोठारी ने संगठन की राष्ट्रीय चिंतन बैठक के दूसरे दिन पिरावम के वेल्यानाड में 'चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन' के मुख्यालय आदि शंकरा निलयम में दिया।

थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष के हालात पर कड़ी नजर रख रहे हैं : भारत

नई दिल्ली/भाषा। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सैन्य संघर्ष जारी रहने के मद्देनजर भारत ने शनिवार को कहा कि वह स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच शत्रुता समाप्त हो जाएगी। बृहस्पतिवार को दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के बीच सीमा पर शुरू हुए संघर्ष में कम से कम 32 लोग मारे गए हैं और लगभग 1,50,000 लोग विस्थापित हुए हैं। संघर्ष के मद्देनजर विदेश मंत्रालय ने इस क्षेत्र में भारतीय यात्रियों को किसी भी सहायता के लिए दोनों देशों में स्थित संबंधित दूतावासों से संपर्क करने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''हम कंबोडिया और थाईलैंड की सीमा पर स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''भारत के दोनों देशों के साथ घनिष्ठ एवं मैत्रीपूर्ण संबंध हैं और हमें उम्मीद है कि दोनों पक्ष शत्रुता समाप्त करने तथा तनाव बढ़ने से रोकने के लिए कदम उठाएंगे।''

राष्ट्रपति मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में

कृतज्ञ राष्ट्र ने करगिल के शहीदों को किया नमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को देश के सशस्त्र बलों के उन जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने 1999 के करगिल युद्ध में भारत की सरजमीं की रक्षा के लिए कठिन परिस्थितियों में बहादुरी से लड़ाई लड़ी और पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को लद्दाख में करगिल की बर्फीली चोटियों पर लगभग तीन महीने तक चले युद्ध के बाद घोषणा की कि दुश्मनों से अपनी जमीन को मुक्त कराने के लिए शुरू किया गया 'ऑपरेशन विजय' पूर्ण रूप से सफल हुआ है।

इस दिन को हर वर्ष करगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''करगिल विजय दिवस के अवसर पर मैं मातृभूमि के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। यह दिवस हमारे जवानों की असाधारण वीरता, साहस एवं दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। देश के प्रति उनका समर्पण और सर्वोच्च बलिदान देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। जय हिन्द! जय भारत!'' राष्ट्रपति सशस्त्र बलों का सर्वोच्च कमांडर भी होता है। इस अवसर पर द्रास स्थित करगिल युद्ध स्मारक सहित देश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ के कारण शुरू हुए संघर्ष में 500 से अधिक भारतीय सैनिकों को अपना सर्वोच्च बलिदान देना पड़ा।

भारत मालदीव के लोगों की आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ प्रधानमंत्री मोदी मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल हुए

माले/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मोदी का समारोह में शामिल होना दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार का एक और संकेत है। मालदीव की राजधानी में स्थित समारोह स्थल, 'रिपब्लिक स्क्वायर' पर राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू और उनके मंत्रिमंडल के शीर्ष मंत्रियों ने मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रधानमंत्री का मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना द्विपक्षीय संबंधों में एक 'मील का पत्थर' है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह पहला मौका है जब किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने मालदीव में स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लिया। करीब 50 मिनट तक चले समारोह के बाद मोदी ने कहा कि भारत मालदीव की आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है और मुइज्जू के साथ उनकी बातचीत द्विपक्षीय संबंधों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी।

मोदी ने मालदीव के लोगों और सरकार को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई भी दीं।

मोदी ने कहा, ''भारत और मालदीव के बीच गहरी साझेदारी है जो आपसी सम्मान, साझा मूल्यों और सांस्कृतिक एवं आर्थिक आदान-प्रदान के लंबे इतिहास पर आधारित है।''

उन्होंने 'एक्स' पर कहा, ''हमारे संबंध लगातार आगे बढ़ रहे हैं, जो लोगों के बीच आपसी संपर्क और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग से आकार ले रहे हैं। भारत मालदीव के लोगों की आकांक्षाओं का समर्थन करने और हमारे ग्रह की बेहतरी के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात थी। इस महत्वपूर्ण अवसर ने मालदीव के लोगों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जीवंत भावना को प्रदर्शित किया।'' उन्होंने कहा, ''यह पिछले कुछ वर्षों में देश की परिवर्तन यात्रा का भी प्रतीक है। अपनी प्राचीन समुद्री परंपराओं से लेकर जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वैश्विक नेतृत्व तक, मालदीव ने विश्व मंच पर अपने लिए एक विशिष्ट स्थान बनाया है।''

मालदीव और भारत के बीच कूटनीति से परे अटूट संबंध हैं : मुइज्जू

माले/भाषा। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने हिंद महासागर को मालदीव और भारत के बीच दीर्घकालिक संबंधों का जीवंत प्रमाण बताते हुए कहा है कि दोनों देशों ने एक मजबूत और अटूट बंधन स्थापित किया है जो कूटनीति से परे है।

मालदीव और भारत के बीच 60 वर्षों के राजनयिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए मुइज्जू ने इन्हें साझा इतिहास और स्थायी साझेदारी का प्रतिबिंब बताया।

राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मुइज्जू ने कहा कि मालदीव और भारत के बीच संबंध औपचारिक कूटनीति से परे हैं तथा सदियों पुराने गहरे रिश्ते हैं। उन्होंने कहा कि मालदीव सरकार एक समावेशी और गतिशील अर्थव्यवस्था के निर्माण, युवाओं को सशक्त बनाने और क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रपति मुइज्जू ने स्वीकार किया कि इन महत्वाकांक्षाओं को साकार करने में भारत की साझेदारी महत्वपूर्ण है।

इस विशेष संबंध को और मजबूत करने के लिए मालदीव की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए मुइज्जू ने एक समृद्ध मालदीव-भारत साझेदारी की कामना की जो दोनों देशों में स्थायी शांति एवं समृद्धि लाए।

एशिया कप का आयोजन नौ से 28 सितंबर तक यूएई में

भारत बनाम पाकिस्तान मैच 14 और 21 सितंबर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराची/नई दिल्ली/भाषा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को घोषणा की कि पुरुषों का एशिया कप नौ से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित किया जाएगा।

पीटीआई को मिले शुरुआती कार्यक्रम के अनुसार भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित ग्रुप चरण मैच रविवार (14 सितंबर) को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा।

भारत और पाकिस्तान की टीमें एक ही ग्रुप में है और इन दोनों टीमों के अगले रविवार (21 सितंबर) को फिर से सुपर फोर मैच में आमने सामने होने की संभावना है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा और उसके सभी मैच दुबई में खेले जाने की संभावना है।

भारत, पाकिस्तान, यूएई और ओमान को ग्रुप ए में रखा गया है जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हांगकांग ग्रुप बी में हैं। एसीसी 19 मैचों के इस टूर्नामेंट के लिए 17 सदस्यीय टीम को अनुमति देगा तथा मैच दुबई तथा अबुधाबी में खेले जाएंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष नकवी ने 'एक्स' पर एक औपचारिक घोषणा में बताया, '' मुझे यूएई में एसीसी पुरुष एशिया कप 2025 की तारीखों की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट नौ से 28 सितंबर तक होगा। हम इसमें शानदार क्रिकेट देखने की उम्मीद करते हैं। इसका विस्तृत कार्यक्रम जल्द ही जारी किया जाएगा।''

एशिया कप के आयोजन स्थल का निर्णय 24 जुलाई को एसीसी की बैठक में किया गया। इस बैठक में सभी 25 सदस्य देशों ने भाग लिया था। टूर्नामेंट का मेजबान बीसीसीआई है, लेकिन इसे यूएई में आयोजित किया जा रहा है क्योंकि भारत और पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच मौजूदा तनाव के कारण 2027 तक केवल तटस्थ स्थानों पर प्रतिस्पर्धा करने पर पारस्परिक रूप से सहमति व्यक्त की है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखिल कर्नाटक पूर्व सैनिक संघ द्वारा कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में बाल गंगाधरनाथ स्वामी खेल मैदान से क्षेत्र के विधायक प्रिया कृष्ण के नेतृत्व में विशाल रैली का आयोजन किया गया, जिसमें बाइक सवार जवानों ने हैरत अंगेज प्रदर्शन किए। सैकड़ो पूर्व सैनिक एवं एनसीसी कैडेट् राष्ट्रध्वज लेकर, भारत माता के जयकारे लगाते हुए रैली में शामिल हुए। चंद्रा लेआउट स्थित सैनिक भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाले साधकों को मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं संघ के अध्यक्ष शिवण्णा ने सम्मानित किया।

शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के अमर्त ग्लोबल स्वयंसेवी संस्था ने शनिवार को बनशंकरी सेकेंड स्टेज के कदरन्नहल्ली स्थित बस्ती में जरूरतमंदों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जिसमें 250 अधिक परिवारों ने अपनी स्वास्थ्य की जांच कराई।

कारगिल विजय दिवस पर एक्स-सर्विसमैनों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के डोम्मासंद्रा स्थित धर्मसागर हाई स्कूल, प्रथम श्रेणी कॉलेज एवं डिग्री कॉलेज परिसर में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नरेश राज ने करते हुए शहीदों के बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर हाईटेक एक्स-सर्विसमैन संगठन के संस्थापक एवं अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार तथा प्रकाश बी. विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित थे जिसका संस्था की ओर से विशेष सम्मान किया गया। अनिल सिंह सिकरवार ने कहा कि कारगिल विजय दिवस सिर्फ एक सैन्य सफलता नहीं है, यह पूरे भारतवर्ष की एकता, साहस और बलिदान का प्रतीक है।

आज हम विजय दिवस मना रहे हैं, पर इसी दिन हमने अपने कई वीर साथियों को खोया था। उनका त्याग हमें यह सिखाता है कि देश की रक्षा सर्वोपरि है। इस कार्यक्रम में सैकड़ों विद्यार्थी शिक्षक, स्थानीय नागरिक आदि उपस्थित थे।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा द्वारा शनिवार को मासिक सेवा कार्यक्रम खुशियों की थाली के तहत राजाजीनगर स्थित रूलोन डिस्ट्रीब्यूशन के प्रिंस भाटिया परिवार के सौजन्य से उनके परिसर के सामने 1000 से अधिक जरूरतमंदों को अन्नदान किया गया। मंच के अध्यक्ष गोपाल कुमार अग्रवाल ने शुभकामनाएं दी। संयोजक रूपेश केडिया, पूर्व अध्यक्ष स्नेह जाजू, उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल एवं गौरव शर्मा की उपस्थिति में अरुण शर्मा, पुनीत राठी, आशु मित्तल, निखिल अग्रवाल, नितिन महेश्वरी, शुभम केडिया सचिव सन्नी जैन ने अन्नदान सेवा में सहयोग किया।

मात्र प्रभु की शरण ही हमें दुर्गति से बचा सकती है : साध्वीश्री इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि समय के साथ हमारी शक्ति क्षीण होती जा रही है। कान, नाक और आंख आदि इंद्रियों की क्षमता निरंतर कम होती जाती है और अनचाही अनिश्चित अतिथि मृत्यु हमारा पीछा कर रही है। मात्र प्रभु का शरण ही दुर्गति से हमें बचा सकता है। क्योंकि मृत्यु के वक्त घर परिवार सामर्थ्य वैद्य सभी बचाने में लाचार हो जाते हैं। साध्वीश्री ने कहा कि प्रभु की वाणी हमें सत्य का बोध कराती है। हम कहीं खाली न चले जाएं और जाते वक्त न पछताएं, इसलिए जब जब अवसर मिले तब धर्म ध्यान कर लेवें। प्रवचन देते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि संसार में अनेक विकल्प होते हैं किंतु आध्यात्म में मात्र संकल्प होता है। संसार के सुख और वैभव हमे भ्रमित कर देते हैं और सबसे पहले हम धर्म को ही छोड़ देते हैं। हम महापुरुषों का आलंबन लें। हमारा वैराग्य भाव हमारा सौभाग्य है। हम स्वयं को सूरज माने और आत्मा में बैठे अज्ञान अंधकार को दूर करने का पुरुषार्थ करें। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा संचालन करते हुए बताया कि रविवार को डा मुनि पदमचंद जी के जन्मदिन प्रसंग पर सामायिक दिवस और अनुभव प्रदर्शनी का आयोजन होगा। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

जीवन कल्याण के लिए पुण्य कार्य जरूरी : साध्वीश्री कंचनकंवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी ने कहा कि इस संसार में मानव जन्म लेता है, जीता है और समय पूरा होते ही दुनिया से विदा हो जाता है। जन्म से लेकर मृत्यु के बीच के समय का सदुपयोग कर हमें अच्छे कार्य करना चाहिए ताकि हमारा जीवन सफल हो सके। साध्वीश्री दिव्ययशाजी ने कहा कि संसारी लोगों मावन को नीचे गिराते है जबकि प्रभु शरण व्यक्तियों को सफलता की उंचाई पर ले जाती है। संसार सदैव परिवर्तनशील होता है, देव, गुरु और धर्म ही हमें संसार से पार लगा सकते है। हम आत्म पुरुषार्थ कर अपने कर्मों को कम सकते हैं। प्रचार मन्त्री सागर बाफना ने बताया कि सभा में तपस्वियों का सम्मान किया गया। संघ के अध्यक्ष दीपचन्द भंसाली ने स्वागत किया। मंत्री पदम चन्द बोहरा ने धन्यवाद दिया।

जो अर्हम में मग्न है वह अहम से शून्य होता है : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमें पदार्थ में आसक्ति छोड़कर प्रभु में मग्न होना चाहिए। सुख भी दो प्रकार के होते हैं एक आत्यंतिक सुख, जो आने के बाद जाता नहीं है। जो शाश्वत और अजर अमर है। यह सुख सिद्धों को प्राप्त होता है। दूसरा एकांतिक सुख, जो आने के बाद वापस चला जाता है। जो सुख में भी दुख की अनुभूति कराता है। बाह्य पदार्थों का सुख सच्चा सुख नहीं है, हमने इसको ही सच्चा सुख मान लिया है। हमें शाश्वत सुख की प्राप्ति करनी है जो एक बार आने के बाद वापस नहीं जाए। प्रभु स्मरण से एक ही बार मग्नता नहीं आती है। हमें प्रभु स्मरण का सतत प्रयास करते रहना चाहिए। वह दुख भी अच्छा है जो हमें प्रभु स्मरण करवाए। शाश्वत सुख तो हमारे अंदर ही बसा है जरूरत उस पर से मिथ्यात्व का आवरण हटाने की है। हमें परमात्मा पर असीम श्रद्धा रखनी चाहिए जो अर्हम में मग्न होता है वह अहम से शून्य बन जाता है। हमें अर्हम के साथ रहना है। यह हमारा अहोभाग्य है कि हमें जिन शासन मिला और परमात्मा का आलंबन और शरण मिली। बाहरी पदार्थों से छुटकारा पाकर हमें हमारे अंतर में प्रवेश करना है। प्रभु की भक्ति हमें मुक्ति दिलाने वाली है। हमें पूर्ण बनने के लिए मग्नता का गुण लाना होगा।

आंध्र प्रदेश में वित्तीय दबाव और बढ़ गया : वाई एस जगन मोहन रेड्डी

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश में विपक्ष के नेता वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने शनिवार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के नवीनतम आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि राज्य में वित्तीय दबाव ''वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में और बढ़ गया है''।

रेड्डी ने कहा कि पहली तिमाही के लिए कैग के मासिक प्रमुख संकेतक राज्य की वित्तीय स्थिरता के लिए 'संकटपूर्ण दृष्टिकोण' का संकेत देते हैं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में राजकोषीय दबाव और भी बढ़ गया है। कैग ने इस अवधि के लिए मासिक प्रमुख संकेतक अपलोड किए हैं और ये आंकड़े स्पष्ट रूप से राज्य सरकार की वित्तीय स्थिरता के लिए संकटपूर्ण दृष्टिकोण का संकेत देते हैं।'' उन्होंने कहा कि विशेषकर आंध्र प्रदेश जैसे राज्य में सार्वजनिक वित्त प्रबंधन एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। यह राज्य विभाजन से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। रेड्डी ने कहा, ''केवल कल्याण और विकास जैसे आवश्यक क्षेत्रों में सरकारी व्यय की सही मात्रा ही निजी उपभोग और निवेश को बढ़ावा दे सकती है, जिससे एक सकारात्मक चक्र को बढ़ावा मिलता है।'' सभी सरकारी राजस्व स्रोतों में वृद्धि 'धीमी' रही, जिसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान राज्य के कर और गैर-कर राजस्व दोनों में सुस्त प्रदर्शन हुआ। उन्होंने दावा किया, ''यह बिल्कुल स्पष्ट है कि राज्य ने अपनी आर्थिक उछाल खो दी है, जैसा कि सरकारी राजस्व की कुछ श्रेणियों में बेहद कम वृद्धि और अन्य में नकारात्मक वृद्धि से स्पष्ट है।''

स्कूलों में सुरक्षा का ऑडिट अनिवार्य: केंद्र सरकार का राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश जारी कर स्कूलों में बच्चों से जुड़ी संरचनाओं तथा सुरक्षा तंत्र का ऑडिट करना अनिवार्य कर दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

शिक्षा मंत्रालय ने स्कूलों से इमारतों की संरचनात्मक मजबूती सुनिश्चित करने को भी कहा है। यह कदम राजस्थान के झालावाड़ जिले में शुक्रवार को एक सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा गिरने के एक दिन बाद उठाया गया है। राजस्थान में स्कूल में हुए हादसे में सात बच्चों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए थे। मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, ''राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को छात्रों की सुरक्षा और उनका कल्याण सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा संहिताओं के अनुरूप स्कूलों और बच्चों से संबंधित संरचनाओं का अनिवार्य सुरक्षा ऑडिट, आपातकालीन तैयारियों के लिए कर्मचारियों और छात्रों को प्रशिक्षण देना आदि शामिल है।'' उन्होंने कहा, ''संरचनात्मक समग्रता, अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकास और बिजली के तारों का गहन मूल्यांकन किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कर्मचारियों और छात्रों को आपातकालीन तैयारियों का प्रशिक्षण दिया जाए, जिसमें निकासी अभ्यास, प्राथमिक उपचार और सुरक्षा प्रोटोकॉल शामिल हैं।'' मंत्रालय ने सिफारिश की कि स्थानीय प्राधिकारियों (एनडीएमए,

अग्निशमन सेवाएं, पुलिस और चिकित्सा एजेंसियां) के साथ सहयोग को मजबूत किया जाना चाहिए ताकि समय-समय पर प्रशिक्षण सत्र और मॉक ड्रिल आयोजित की जा सकें।

शारीरिक सुरक्षा के अतिरिक्त, मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए तथा इसके लिए परामर्श सेवाएं, सहकर्मी सहायता प्रणाली और सामुदायिक सहभागिता जैसी पहल आदि शुरू की जानी चाहिए।

अधिकारी ने कहा, '' किसी भी खतरनाक स्थिति, बाल-बाल बचने या बच्चों अथवा युवाओं को नुकसान पहुंचाने वाली किसी घटना की सूचना 24 घंटे के भीतर संबंधित राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के प्राधिकरण को दी जानी चाहिए। देरी, लापरवाही या कार्रवाई में विफलता के मामलों में सख्त जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।'' माता-पिता, अभिभावकों, सामुदायिक नेताओं और स्थानीय निकायों को सतर्क रहने तथा स्कूलों, सार्वजनिक क्षेत्रों या बच्चों और युवाओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले परिवहन के साधनों में असुरक्षित स्थितियों की सूचना देने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

अधिकारी ने कहा, ''मंत्रालय ने शिक्षा विभाग, स्कूल बोर्ड और संबद्ध अधिकारियों से उपरोक्त उपायों को बिना किसी देरी के लागू करने का आग्रह किया है।''

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत तेजी से बढ़ रही : पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि प्रस्तावित व्यापार समझौते पर अमेरिका के साथ बातचीत तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने आगे कहा कि इसके अलावा, ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि पिछली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के विपरीत, नरेंद्र मोदी सरकार ने मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र) और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर किए हैं।

दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर अगले दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी टीम अगस्त में भारत का दौरा करेगी। भारत और अमेरिकी टीमों ने पिछले हफ़्ते वाशिंगटन में इस समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी की। दोनों देश प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को सितंबर-अक्टूबर तक अंतिम रूप देने की योजना बना रहे हैं। इसका लक्ष्य द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान 191 अरब डॉलर से 500 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। गोयल ने कहा, सभी एफटीए की अपनी अलग गतिशीलता होती है और हम ओमान, यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ बातचीत के बहुत ही उन्नत चरण में हैं। हम न्यूजीलैंड, चिली और पेरू के साथ भी बातचीत कर रहे हैं... इसलिए, हम इस समय एक साथ कई एफटीए पर काफी व्यस्त हैं।

मंत्रिमंडल फेरबदल के संबंध में अंतिम फैसला मुख्यमंत्री फडणवीस लेंगे : मंत्री बावनकुले

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलें शनिवार को उस समय और तेज हो गईं, जब वरिष्ठ भाजपा नेता और मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि इस संबंध में अंतिम फैसला मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लेंगे।

दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों के साथ फडणवीस की हालिया बैठक के बाद कुछ विवादास्पद मंत्रियों के विभागों की संभावित अदला-बदली या उन्हें हटाए जाने की अटकलों ने जोर पकड़ लिया है। मंत्रिमंडल फेरबदल की चर्चा के बारे में पूछे जाने पर, बावनकुले ने कहा, ''मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, राकांपा प्रमुख अजित पवार और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे अपनी-अपनी पार्टियों के लिए फैसला ले सकते हैं, जो उनका अधिकार है।'' उन्होंने कहा, ''संबंधित दल अपने फैसले लेंगे। हालांकि, अंतिम फैसला फडणवीस ही लेंगे क्योंकि वह राज्य के मुख्यमंत्री हैं।'' बावनकुले ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की, क्योंकि कांग्रेस नेता ने स्वीकार किया था कि वह अतीत में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के हितों की उतनी रक्षा नहीं कर पाए, जितनी उन्हें करनी चाहिए थी।

कांग्रेस की चुनावी हार के लिए 'पक्षपाती अंपायर' निर्वाचन आयोग जिम्मेदार : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आणंद/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को गुजरात में पार्टी के जिला इकाई प्रमुखों को आश्वासन दिया कि चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन करते समय उनकी राय पर भी विचार किया जाएगा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 'संगठन सृजन अभियान' (पार्टी संगठन को मजबूत करने का अभियान) के तहत कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में अपने संबोधन के दौरान निर्वाचन आयोग पर 'पक्षपाती' होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उसके 'मुख्य गढ़' गुजरात में हराना महत्वपूर्ण है। कांग्रेस ने 2027 के राज्य विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आणंद शहर के पास एक रिसॉर्ट में जिला पार्टी कमेटियों के नवनियुक्त अध्यक्षों के लिए शिविर का आयोजन किया है। पार्टी के मिशन 2027 के लिए खाका तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर का समापन 28 जुलाई को होगा। गुजरात कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा ने बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि राहुल गांधी ने जिला अध्यक्षों का मार्गदर्शन किया और आश्वासन दिया कि नेतृत्व पूरी तरह से पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ है। राजकोट जिला कांग्रेस प्रमुख राजदीपसिंह जडेजा ने कहा, ''राहुल गांधी ने हमसे लोगों से जुड़े मुद्दे उठाने को कहा। उन्होंने आश्वासन दिया कि विभिन्न चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन से पहले शहर और जिला इकाई प्रमुखों से परामर्श किया जाएगा।'' एक अन्य नेता ने कहा कि राहुल गांधी ने क्रिकेट की शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए निर्वाचन आयोग पर ''पक्षपाती अंपायर' होने का आरोप लगाया, जिसके कारण कांग्रेस चुनाव हार रही है।

मजीठिया की गिरफ्तारी पर टिप्पणी को लेकर अमरिंदर सिंह पर मुख्यमंत्री भगवंत मान का पलटवार

चंडीगढ़/भाषा। पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह द्वारा पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को ''चुनिंदा ढंग परेशान'' करने का आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को पलटवार करते हुए कहा कि अमरिंदर मादक पदार्थ के मुद्दे पर दोहरा रुख अपना रहे हैं।

मान ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आपको मादक पदार्थ तस्करों के मानवाधिकारों की चिंता है।'' उन्होंने सिंह से चार सप्ताह के भीतर मादक पदार्थ की बुराई को खत्म करने के उनके 2017 के चुनावी वादे के बारे में भी सवाल किया। वह सिंह के इस आरोप पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि आप सरकार का मानना है कि ''सस्ती सनसनीखेज बातें, राजनीतिक प्रतिशोध और निर्मम दमन शासन का विकल्प हैं।'' सिंह ने फेसबुक पर लिखा, ''पंजाब ने लोकतंत्र पर

ऐसा ज़बरदस्त हमला कभी नहीं देखा, जहां उनके कुशासन और भ्रष्टाचार के आलोचकों को नज़रबंद किया जा रहा है, उन पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं और उन्हें चुप कराया जा रहा है।''

सिंह ने 2021 में कांग्रेस छोड़कर अपनी पार्टी बनाई थी और एक साल बाद उसका भाजपा में विलय कर दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''बिक्रम सिंह मजीठिया का चुनिंदा ढंग से किया जा रहा उत्पीड़न अमानवीय तरकीब का एक चौंकाने वाला उदाहरण है। मैं इस राजनीतिक उत्पीड़न की कड़ी निंदा करता हूं। जन-आंदोलनों को कुचला जा रहा है, असहमति को दबाया जा रहा है और पंजाब को माफिया की तरह दिल्ली से नियंत्रित किया जा रहा है।'' शनिवार को 'एक्स' पर अपने पोस्ट में मान ने बिना किसी का नाम लिए लिखा, ''कैप्टन साहब (अमरिंदर सिंह), आज आपको मादक पदार्थ तस्करों के मानवाधिकारों की चिंता हो रही है। जब आपके और आपके भतीजे के राज में लोगों के बेटे तड़प-तड़पकर मर रहे थे, तब आप जलसों में व्यस्त थे।''

यतींद्र ने अपने पिता सिद्दरामय्या की तुलना मैसूरु के शासक से की, आलोचनाओं का सामना करना पड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के बेटे यतींद्र को अपने पिता के नेतृत्व में हुए कामकाज की तुलना मैसूर के पूर्व शासक नलवाड़ी कृष्णराज वाडियार से करने को लेकर शनिवार को तीखी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। यतींद्र ने दावा किया था कि उनके पिता के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने भारत की आजादी से पहले मैसूर राज्य के राजा नलवाड़ी कृष्णराज वाडियार के कार्यों को पीछे छोड़ दिया है। कृष्णराज वाडियार के शासनकाल को व्यापक रूप से मैसूर का ''स्वर्ण युग'' कहा जाता है, जो प्रशासन में व्यापक सुधारों और विज्ञान, उद्योग और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति के लिए जाना जाता है। उन्हें ''राजर्षि'' (संत राजा) के रूप में सम्मानित किया जाता है। वाडियार को राज्य को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए याद किया जाता है। सिद्दरामय्या ने जहां खुद अपने बेटे की टिप्पणी से दूरी बना ली, वहीं मैसूरु राजपरिवार, भाजपा और मुख्यमंत्री के राजनीतिक विरोधियों ने यतींद्र के बयान की निंदा की। शुक्रवार को मैसूर में पत्रकारों से बात करते हुए, यतींद्र ने कहा था, सिद्दरामय्या द्वारा मैसूर के लिए जारी अनुदानों पर नजर डालें तो किसी और ने इसके लिए इतना काम नहीं किया है। नलवाड़ी कृष्णराज वाडियार ने मैसूर के लिए जितना विकास किया है, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने शहर के लिए उतना ही अनुदान जारी किया है। उन्होंने इन अटकलों को भी खारिज कर दिया था कि सिद्दरामय्या उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के लिए रास्ता बनाने के लिए ढाई साल बाद पद छोड़ देंगे। कांग्रेस विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) ने कहा, कौन कह रहा है कि सिद्दरामय्या पांच साल तक मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे? विपक्ष ने सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच मतभेद की कहानी गढ़ी है। पार्टी आलाकमान और विधायक उनके साथ हैं। यतींद्र ने कांग्रेस नेतृत्व में एकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, ''दोनों पार्टी और राज्य में पार्टी के हित के लिए काम कर रहे हैं। जो भी मतभेद हैं, वे मिलकर सुलझा सकते हैं। कोई और उनके बीच मतभेद पैदा नहीं कर सकता। लोग दरार पैदा करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन यह काम नहीं करेगा।'' अपने बेटे की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को हासन जिले के अरसीकेरे में पत्रकारों से कहा कि उनकी सरकार ने पिछली भाजपा सरकार से बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने नलवाड़ी कृष्णराज वाडियार का सीधा जिक्र करने से बचते हुए कहा, हमने भाजपा से अधिक काम किया है। भाजपा ने कुछ नहीं किया, लेकिन हमने उससे ज्यादा किया है।'' मैसूर से भाजपा सांसद एवं पूर्व राजपरिवार के वंशज यदुवीर कृष्णदत्त वाडियार ने यतींद्र को पद पर बने रहने के असली उद्देश्य की याद दिलाई। यदुवीर कृष्णदत्त वाडियार ने मैसूर में संवाददाताओं से कहा, जब किसी को सत्ता मिलती है, तो वह जनता की सेवा के लिए होती है। सत्ता में आना कोई खेल नहीं है। चाहे नलवाडी कृष्णराज वाडियार हों या देश की आजादी के बाद चुनी हुई सरकारें, सभी की जनता के प्रति जिम्मेदारियां होती हैं। कोई भी यह लक्ष्य नहीं रखता कि उसने दूसरों से ज्यादा काम किया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना है।

वरिष्ठ नेता एवं एमएलसी ए एच विश्वनाथ, जो मैसूर से हैं, ने टिप्पणी की निंदा की और इसे ''अहंकार की पराकाष्ठा'' बताया। विश्वनाथ ने कहा, यह कहना कि सिद्दरामय्या की सरकार ने राजर्षि कहे जाने वाले नलवाड़ी कृष्णराज वाडियार से ज्यादा काम किया है, तो यह अहंकार की पराकाष्ठा है। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता भाजपा के आर अशोक ने यतींद्र की टिप्पणी की निंदा की। उन्होंने कहा, यह एक घटिया मजाक है। क्या कृष्णराज वाडियार और सिद्दरामय्या के बीच कोई तुलना हो सकती है? सिद्दरामय्या सत्ता के लिए एक पार्टी से दूसरी पार्टी में जाते रहते हैं। इस तुलना का कोई मतलब नहीं है।

अशोक ने कृष्णराज वाडियार के योगदान पर प्रकाश डाला, तथा उन्हें कृष्णराज सागर बांध के निर्माण, सिंचाई प्रणाली में सुधार और राज्य में बिजली की शुरूआत का श्रेय दिया – जो भारत में पहली बार हुआ। अशोक ने आरोप लगाया, कर्नाटक में सामाजिक न्याय के लिए अगर किसी ने काम किया तो वह मैसूरु के शासक थे, जबकि सिद्दरामय्या जातियों के बीच दरार पैदा कर रहे हैं।

नकाबपोश बदमाशों ने 184 ग्राम सोना लूटा

बेंगलूरु। बेंगलूरु शहर के बाहरी इलाके में तीन नकाबपोश बदमाश आभूषण की एक दुकान में घुस गए और चाकू के बल पर 184 ग्राम सोना लूट लिया। यह जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना 24 जुलाई की रात को नेलमंगला में उस समय हुई, जब दुकान बंद होने वाली थी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बदमाशों ने किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया, हथियार का प्रयोग केवल कर्मचारियों को डराने के लिए किया। अधिकारी ने बताया कि बदमाश गहने लूटने के बाद एक कार में बैठकर फरार हो गए। उन्होंने कहा, ''इस संबंध में एक मामला दर्ज कर लिया गया है और अपराधियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। हमने संदिग्धों की पहचान करने और घटनाक्रम का पता लगाने के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली है।''

विशेष अधिकारी ने मुख्यमंत्री के सहयोगी पर जूता फेंकने का आरोप लगाया

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के विशेष अधिकारी एच आंजनेय ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के सहायक आवासीय आयुक्त और विशेष अधिकारी सी मोहन कुमार पर जूता से हमला करने का आरोप लगाया है। आंजनेय ने आवासीय आयुक्त इमकोंगला जमीर के पास एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें मोहन कुमार के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही की मांग की गई है। आंजनेय ने अपनी शिकायत में कहा, मुझ पर जूते से हमला किया गया है और इससे मेरे सम्मान और गरिमा को ठेस पहुंची है।

राज्यपाल ने भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की दक्षिण कन्नड़ जिला शाखा के शताब्दी भवन का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने मंगलूरु में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, दक्षिण कन्नड़ जिला शाखा शताब्दी भवन का उद्घाटन किया। बाद में बोलते हुए, कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने कहा, वर्तमान में, भारत में जलवायु परिवर्तन, शहरी स्वास्थ्य संकट, मानसिक तनाव और सामाजिक असमानताएँ जैसे मुद्दे तेज़ी से उभर रहे हैं। ऐसी स्थिति में, रेड क्रॉस को पारंपरिक सेवाओं तक सीमित रहने के बजाय, नवाचार, डिजिटल दृष्टिकोण और स्थानीय भागीदारी के माध्यम से अपनी पहुँच और प्रभाव का विस्तार करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी सेवा, करुणा और मानवता की उस परंपरा का प्रतीक है जिसे पिछले 100 वर्षों से उत्साह के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी मानव सेवा का प्रतीक है, जो आपदा, बीमारी और संकट के समय समाज की सबसे शक्तिशाली और संवेदनशील शक्ति के रूप में कार्य करती है। रेड क्रॉस का इतिहास मानवता, निस्वार्थ सेवा और कर्तव्य के प्रति साहसी समर्पण से भरा है।

उन्होंने कहा, रेड क्रॉस सोसाइटी का एक ही धर्म है – मानवता, इसका लक्ष्य एक है – सबका कल्याण, सबकी खुशी। भारत में इसकी शाखाएँ ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर महानगरों तक फैली हुई हैं, यह जरूरतमंद लोगों के बीच चिकित्सा, आपातकालीन सहायता, रक्तदान, स्वच्छता और जन जागरूकता के कार्य निरंतर करती है। इसमें युवाओं की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण है। इस संगठन का विजन रेड क्रॉस यूथ और जूनियर रेड क्रॉस के माध्यम से भावी पीढ़ी में सेवा, अनुशासन और करुणा के मूल्यों को स्थापित करना है।

उन्होंने कहा, कर्नाटक शाखा ने आपदा प्रबंधन, रक्तदान, प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण, सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं और जन जागरूकता जैसे विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य किया है। मैं रेड क्रॉस के सभी महानुभावों, डॉक्टरों, नर्सों, स्वयंसेवकों और सहयोगी संगठनों को धन्यवाद देना चाहता हूँ जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपार सेवाभाव से काम कर रहे हैं। वे सभी समाज के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं।

उन्होंने आह्वान किया, यह शताब्दी भवन एक संकल्प है – अगली शताब्दी की सेवा के लिए तैयार रहने का। यह भवन प्रशासनिक कार्यों का केंद्र होगा। इससे जिले में चल रहे कार्यक्रमों को और अधिक संगठित व प्रभावी रूप दिया जा सकेगा। सेवा परमो धर्म की भावना के साथ, आइए हम सब मिलकर इस शताब्दी भवन को जनकल्याण केंद्र बनाएं। आइए, हम सब मिलकर दया, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के इन महान मूल्यों को अपनाएं और अपने समाज को सुरक्षित व समावेशी बनाएं।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर, सांसद कैप्टन ब्रिजेश चौथा, विधायक डी. वेदव्यास कामथ, आईआरसीएस कर्नाटक शाखा के उपाध्यक्ष भास्कर राव और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मंगलूरु में तलवार से हत्या मामले में 12वां आरोपी गिरफ्तार

बंटवाल। मंगलूरु के बंटवाल ग्रामीण पुलिस थाना क्षेत्र में 27 मई को तलवार से की गई नृशंस हत्या के मामले में पुलिस ने शुक्रवार को एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अब तक इस मामले में कुल मिलाकर 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शुक्रवार को बंटवाल के पुदु गांव निवासी सचिन उर्फ सच्चू रोट्टी गुड्डे (32) को हिरासत में लिया गया। उसे अदालत में पेश किया गया जहां से उसे आगे की पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

निर्वाचन आयोग सहित लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश कर रही है भाजपा : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लगाए गए बड़े पैमाने पर चुनावी कदाचार के आरोपों को दोहराते हुए कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी मतदाता सूचियों में हेरफेर करने और निर्वाचन आयोग सहित लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। सिद्दरामय्या ने 'पीटीआई-वीडियो' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि राहुल गांधी का यह आरोप सही है कि असली मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं और नकली नाम जोड़े जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में ऐसा हो चुका है'' और आशंका जतायी कि वे (भाजपा) बिहार में भी ऐसा करने की योजना बना रहे हैं।'' मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भाजपा पर आरोप लगाया कि यह हेराफेरी'' पूरे देश में हो रही है। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि वह अब एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था के रूप में काम नहीं कर रहा। मुख्यमंत्री ने कहा, ''निर्वाचन आयोग केंद्र सरकार के निर्देश पर काम कर रहा है। यह स्वतंत्र नहीं है। निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से काम करना चाहिए लेकिन वह ऐसा नहीं कर रहा।''

सिद्दरामय्या ने ''लोकतंत्र के खतरे'' में होने का दावा करते हुए घोषणा की कि कांग्रेस इन कथित अनियमितताओं को उजागर करने और चुनावी प्रक्रिया की शुचिता की रक्षा के लिए सुधारों की मांग करने के मकसद से एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करेगी।

सिद्दरामय्या ने देशभर में जाति आधारित जनगणना कराने के महत्व को दोहराते हुए कहा, ''हर राज्य को जाति आधारित जनगणना करानी शुरू करनी चाहिए। यह सामाजिक-आर्थिक, शैक्षणिक, रोजगार-आधारित और राजनीतिक होनी चाहिए क्योंकि सभी को पता होना चाहिए कि स्वतंत्रता के बाद किसी व्यक्ति की आर्थिक और राजनीतिक स्थिति क्या है और क्या आजादी सभी तक पहुंची है या नहीं, क्या समानता आई है या नहीं।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संविधान का उद्देश्य बदलाव लाना और असमानता को दूर करना है। उन्होंने कर्नाटक की अपनी जाति आधारित जनगणना के बारे में कहा कि प्राधिकारियों को प्रक्रिया पूरी करने के लिए तीन महीने का समय दिया गया है और उन्होंने उम्मीद जताई कि वे समय सीमा का पालन करेंगे।

सिद्दरामय्या ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण में कथित भूमि आवंटन घोटाले के बारे में कहा, ''यह एक झूठा मामला है। वे मुझे, मेरी पत्नी और मेरे परिवार को अनावश्यक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। हालांकि यह पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) के अंतर्गत नहीं आता है – इस मामले में कोई धनशोधन नहीं हुआ है– फिर भी उन्होंने मुझे और मेरे परिवार को अनावश्यक रूप से परेशान किया।'' मुख्यमंत्री ने उच्चतम न्यायालय की कड़ी टिप्पणियों का स्वागत करते हुए कहा, ''ऐसा लगता है कि अदालत ने सही कहा है कि अगर राजनीति करनी है, तो चुनावों में करो, यहां नहीं। इस मामले में नहीं, ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) के जरिए नहीं। यह उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश की भाजपा को चेतावनी है।'' बेंगलूरु में चार जून को चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम के बाहर भगदड़ में 11 लोगों की मौत होने के मामले में सिद्दरामय्या ने कहा कि कैबिनेट ने उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश माइकल डी'कुन्हा द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट स्वीकार कर ली है। उन्होंने कहा, ''पुलिसकर्मियों के अलावा, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) और डीएनए (कार्यक्रम प्रबंधन एजेंसी) के अधिकारियों के खिलाफ पहले ही आपराधिक मामले दर्ज किए जा चुके हैं।'' उन्होंने कहा, ''संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ भी जांच की जाएगी।

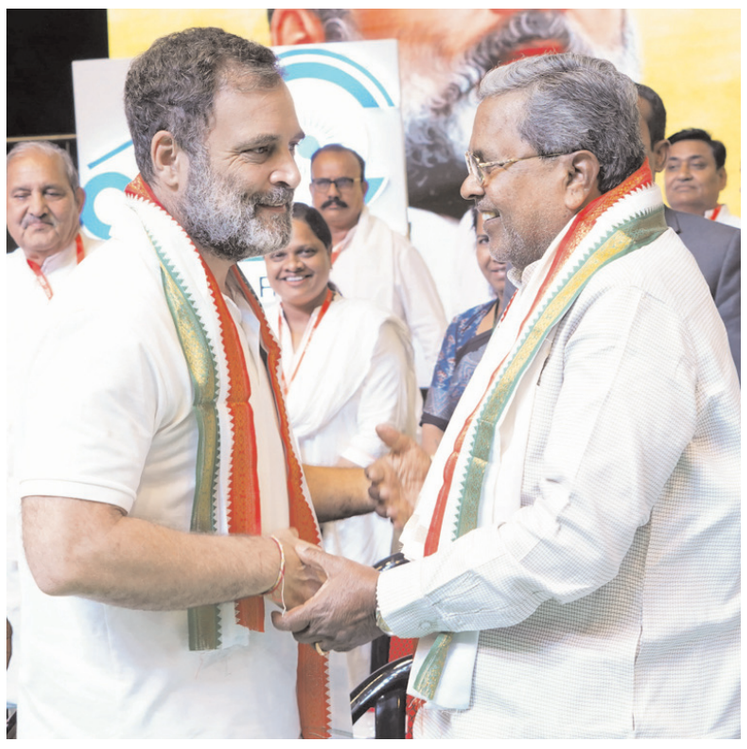

कर्नाटक के मंत्री ने पहला स्वदेशी क्वांटम कंप्यूटर चालू करने संबंधी नायडू के दावे को खारिज किया

बेंगलूरु। मंत्री एन. एस. बोसराजू ने इस साल नवंबर में अमरावती में भारत का स्वदेशी रूप से निर्मित पहला 8-क्यूबिट क्वांटम कंप्यूटर पेश करने के आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के दावे का खंडन किया और कहा कि देश का पहला क्वांटम कंप्यूटर बेंगलूरु में पहले से ही चालू है। कर्नाटक के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री बोसराजू ने एक बयान में कहा कि बेंगलूरु में स्थित क्यूपीएआई द्वारा निर्मित क्वांटम कंप्यूटर अप्रैल 2025 से वाणिज्यिक सेवाएं दे रहा है।

उन्होंने 'एक्स' पर 24 जुलाई के नायडू के पोस्ट का जवाब देते हुए यह बात कही। नायडू ने अपने पोस्ट में कहा था, हमारा राज्य इस नवंबर में अमरावती में क्यूपीएआई के सहयोग से भारत का पहला स्वदेश निर्मित 8-क्यूबिट क्वांटम कंप्यूटर तैनात करने के लिए तैयार है।''

एनआईआरडीसी ने बेंगलूरु में दक्षिण भारत क्षेत्रीय कार्यालय खोला

एमएसएमई और स्थानीय उद्योगों को सशक्त बनाना उद्देश्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय उद्योग अनुसंधान एवं विकास परिषद (एनआईआरडीसी) ने शनिवार को बेंगलूरु में अपने दक्षिण भारत क्षेत्रीय कार्यालय और सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया। कोरमंगला के पहले ब्लॉक स्थित सैन डिएगो बिल्डिंग की पहली मंजिल पर स्थित इस नए कार्यालय का उद्देश्य जमीनी स्तर पर औद्योगिक विकास, विशेष रूप से एमएसएमई, उद्यमियों और ग्रामीण उद्योगों के लिए समर्थन बढ़ाना है। इस कार्यक्रम में एनआईआरडीसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंभू सिंह (आईएसए आरटीडी) और एनआईआरडीसी के क्षेत्रीय अध्यक्ष (दक्षिण भारत) वेमाप्पली अम्मनुल्ला ने भाग लिया, जिन्होंने समावेशी आर्थिक विकास को सक्षम बनाने पर परिषद के नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने पर ज़ोर दिया। यह उद्घाटन पूर्व राष्ट्रीय उद्योग विकास परिषद समिति (एनआईडीसीसी) के आधुनिक, तकनीक-संचालित एनआईआरडीसी में आधिकारिक परिवर्तन का भी प्रतीक है, जो जमीनी स्तर पर नवाचार, पहुँच और केंद्रीय औद्योगिक नीतियों के कार्यान्वयन के प्रति परिषद की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वेमाप्पली अम्मनुल्ला ने कहा, बहुत से लोग यह नहीं जानते कि शुरुआत कहाँ से करें या उपलब्ध संसाधनों तक कैसे पहुँचें। हम जागरूकता फैलाकर और सही मार्गदर्शन प्रदान करके इस स्थिति को बदलना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, हमारा लक्ष्य रोज़गार को बढ़ावा देना, छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के दृष्टिकोण में योगदान देना है।

बेंगलूरु कार्यालय में स्थित सुविधा केन्द्र कर्नाटक ज़ोन 1, उद्यमियों और एमएसएमई के लिए एक-स्टॉप समाधान प्रदान करेगा। यहां सरकारी योजनाओं तक पहुँचने में सहायता, प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम, नियामक और अनुपालन मार्गदर्शन, वित्त पोषण और वित्तीय सहायता प्राप्त करने में सहायता आदि पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। यह केंद्र नीति और कार्यान्वयन के बीच की खाई को पाटने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे क्षेत्रीय व्यावसायिक विकास और रोज़गार सृजन को बढ़ावा मिलेगा।

महादयी विवाद में कर्नाटक सरकार सहकारी संघवाद का पालन करे : सांवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कर्नाटक के साथ महादयी नदी जल बंटवारे को लेकर मौजूद विवाद के बीच पड़ोसी राज्य की सरकार पर निशाना साधते हुए सहकारी संघवाद' के सिद्धांत का अनुपालन करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा, ''वे (कर्नाटक) सब्जियों की आपूर्ति या (गोवा में) पर्यटन के आगमन को रोकने की बात करते हैं। हम कभी ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं करते। भारत सहकारी संघवाद के साथ आगे बढ़ सकता है। हम पहले भारतीय हैं और बाद में गोवावासी हैं।'' उन्होंने यह टिप्पणी विपक्षी नेता यूरी अलेमाओ के इस दावे के बाद की कि कर्नाटक ने गोवा को सब्जी की आपूर्ति रोकने की धमकी दी है।

गोवा और कर्नाटक के बीच महादयी नदी के जल बंटवारे का विवाद है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित गोवा ने कांग्रेस शासित कर्नाटक पर दो बांध बनाकर नदी के पानी का रुख मोड़ने की योजना बनाने का आरोप लगाया है। सावंत ने कहा कि गोवा सरकार महादयी नदी के पानी को मोड़ने के उद्देश्य से की जा रही गतिविधियों के लिए कर्नाटक के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में अवमानना याचिका दायर करेगी। विधानसभा द्वारा कृषि के लिए अनुदान मांगों को पारित करने के बाद सावंत ने कहा कि गोवा ने बागवानी आयात में 30-40 प्रतिशत की कमी की है, जबकि बागवानी वस्तुओं का निर्यात 20 प्रतिशत बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित बागवानी निगम विभिन्न राज्यों के किसानों से सब्जियां और फल खरीद रहा है तथा उन्हें स्टाल के माध्यम से बेच रहा है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना संख्या
सीएओ/सीएन/बीएनसी/129/2025
दिनांक 21.07.2025
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
पुनर्वास कार्य के भाग के तौर पर हसन और मविनकेरे स्टेशनों के बीच कि.मी. 99/500-600 पर एलसी 89 के बदले आरओबी के निर्माण के लिए 3 सैल आरसीसी बॉक्स वायडक्ट 3 नग, क्रैश बैरियर, वियरिंग कोर्स और अन्य संबद्ध कार्यों के लिए वॉल लिफ्टों तथा टॉप स्लैब का निर्माण (Tender Ref. No: MYS-ASK-LC-89-BALANCE)	रू 4,53,08,139/-

निविदाएं प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि: 13.08.2025, 1500 बजे तक
विवरण के लिए लॉगऑन करें www.ireps.gov.in
उप मुख्य अभियंता/निर्माण/वर्क्स/बंगलुरू कैंट
PUB/328/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना संख्या
सीएओ/सीएन/बीएनसी/127/2025
दिनांक 15.07.2025
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
1	तुमकुर-चित्रदुर्ग- दावणगेरे नई लाईन परियोजना में तावरेकेरे (एक्सक्लू.) और हिरियूर (एक्सक्लू.) स्टेशनों के मध्य सिविल और ट्रैक वर्क्स, सिग्नल और टेलीकम्यूनिकेशन वर्क्स, रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन तथा इलेक्ट्रिकल जनरल सर्विसिज सहित चैनेज 66400 और चैनेज 90000 के बीच (23.600 कि.मी.) नई ब्रॉड गेज लाईन का निर्माण। (निविदा संदर्भ सं.: टीके-डीवीजी-ईपीसी-04)	रू 413,07,10,552/-
2	तुमकुरू-रायदुर्ग नई रेल लाईन परियोजना में चैनेज 12/800 और चैनेज 30/500 के बीच नई ब्रॉड गेज रेलवे लाईन के निर्माण हेतु, उरूकेरे (एक्सक्लू.) और कोराटागेरे (इन्क्लू) स्टशनों के बीच सिविल वर्क्स, सिग्नल और टेलीकम्यूनिकेशन वर्क्स और इलेक्ट्रिकल जनरल सर्विसिज तथा तुमकुरू (0/000) और कोराटागेरे (30/500) के बीच रेलवे विद्युतीकरण सहित, प्रोक्योरमेंट और निर्माण (ईपीसी) (निविदा संदर्भ सं.: टीके-आरडीजे-ईपीसी-02-आर)	रू 238,83,93,257/-

निविदाएं प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि: 14.10.2025, 1500 बजे तक
निविदाएं प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि: 14.11.2025, 1500 बजे तक
विवरण के लिए लॉगऑन करें www.ireps.gov.in
उप मुख्य अभियंता/निर्माण/वर्क्स/बंगलुरू कैंट
PUB/329/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

शिक्षा विभाग पहले कार्रवाई करता तो हादसा नहीं होता : वसुंधरा राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने झालावाड़ के पिपलोदी गांव में हुए स्कूल हादसे पर शोक जताते हुए कहा है कि शिक्षा विभाग के अधिकारी पहले कार्रवाई करते तो यह हादसा नहीं होता। वसुंधरा राजे ने कहा कि शिक्षा विभाग के अधिकारी राज्य के ऐसे जर्जर भवन वाले विद्यालयों को पहले ही चिह्नित कर लेते और बच्चों को अन्यत्र किसी सुरक्षित भवन में स्थानांतरित कर देते तो यह हादसा नहीं होता। शुक्रवार को सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा ढहने से सात बच्चों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। इनमें से कुछ की हालत गंभीर है। इस हादसे के बाद मौजूदा विधायक राजे ने अपने बेटे एवं सांसद दुष्यंत सिंह के साथ अस्पताल में घायल स्कूली बच्चों से मुलाकात की और पीड़ित परिवारों को सांत्वना दी।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, बहुत ही दर्दनाक घटना है। हमारे परिवार के सात स्कूली बच्चों को भगवान ने हमसे छीन लिया। इस हादसे में 28 बच्चे घायल हो गए। जैसे ही मुझे इस घटना की जानकारी मिली। मुझे बहुत आघात लगा। मैं तथा झालावाड़-बारां के सांसद दुष्यंत सिंह तत्काल दिल्ली से यहां के लिए रवाना हो गए। उन्होंने कहा, शिक्षा विभाग प्रदेश के सभी विद्यालयों का सर्वे करवाए। जहां भी स्कूल जर्जर अवस्था में हैं, ऐसे विद्यालयों से बच्चों को अन्यत्र सुरक्षित भवन में स्थानांतरित करे। ऐसे विद्यालयों को गिरा कर नये भवन बनवायें, ताकि बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ नहीं हो।

राजे ने कहा, यदि शिक्षा विभाग के अधिकारी प्रदेश के ऐसे विद्यालयों को पहले ही चिन्हित कर लेते और बच्चों को अन्यत्र किसी सुरक्षित भवन में स्थानांतरित कर देते तो हमारे ये बच्चे काल का ग्रास नहीं बनते। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से बच्चों और अभिभावकों में भय का वातावरण बनता है। इसके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखने और इस हृदय विदारक घटना को लेकर कोई राजनीति नहीं करने की अपील की। उन्होंने प्रभावित परिवारों की मदद किये जाने का आह्वान किया।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अवसरों को मिलेगा बढ़ावा : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते को देश की वैश्विक आर्थिक कूटनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताते हुए कहा है कि इससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। शर्मा ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर कहा कि मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश के व्यापारिक समझौतों में राष्ट्रहित सदैव सर्वोपरि रहता है। उन्होंने कहा कि यह समझौता देश की वैश्विक आर्थिक कूटनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अवसरों को बढ़ावा देगा।

शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के अनुसरण में आगामी दिसंबर में 'राइजिंग राजस्थान' पार्टनरशिप कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन करने जा रही है जो भारत और ब्रिटेन सहित अन्य देशों के बीच व्यापारिक साझेदारियों को मजबूती प्रदान करेगा और यह भी प्रदर्शित करेगा कि किस प्रकार सरकार उद्योगों, बहुपक्षीय संगठनों और स्टार्टअप्स के साथ सहयोग को बढ़ावा दे रही है।

यह सम्मेलन पहले किए गए एमओयू की प्रगति के साथ राजस्थान में उद्योगों के कारण आ रहे सामाजिक-आर्थिक बदलाव को भी रेखांकित करेगा। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर होने के बाद राजस्थान के रत्न एवं आभूषण उद्योग को निर्यात के क्षेत्र में बड़ी बढ़त मिलने की संभावना है। इस समझौते के तहत कीमती और सस्ते आभूषणों पर लगने वाले सभी टैरिफ समाप्त कर दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर द्वारा लंदन में गुरुवार को हस्ताक्षरित इस समझौते के तहत भारत के 99 प्रतिशत निर्यातों को ब्रिटेन में शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी, जिससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को नया बल मिलेगा। राजस्थान के लिए यह विशेष रूप से लाभदायक होगा क्योंकि यहां के रत्न एवं आभूषण उत्पादकों को अब यूके में शून्य टैरिफ दर पर निर्यात करने की सुविधा मिलेगी। वर्तमान में भारत से कीमती धातुओं के आभूषणों के निर्यात पर दो से चार प्रतिशत तक का सीमा शुल्क लगता है जबकि सस्ती धातुओं के आभूषणों पर यह शुल्क चार प्रतिशत है। एफटीए के प्रभावी होते ही ये सभी शुल्क शून्य हो जाएंगे। इस समझौते से मोती, प्रीशियस एण्ड सेमी प्रीशियस स्टोन, कीमती धातु एवं कृत्रिम आभूषण आदि जिन वस्तुओं पर शुल्क समाप्त किया गया है, उनमें मोती, कीमती/अर्द्ध-कीमती पत्थर, कीमती धातुएं, कृत्रिम आभूषण आदि पर मौजूदा टैरिफ समाप्त किए गए हैं। ब्रिटेन के बाजार में जीरो ड्यूटी पहुंच से राजस्थान का वस्त्र उद्योग भी लाभान्वित होगा, क्योंकि पहले यहां पर 12 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगता था।

इस बदलाव से 4500-7000 करोड़ रुपये के निर्यात की संभावनाएं बढ़ेंगी। विशेष रूप से परिधान और होम टेक्सटाइल्स क्षेत्र में भारत के पड़ोसी देशों से राजस्थान बेहतर ढंग से प्रतिस्पर्धा कर सकेगा। मकराना और किशनगढ़ के विश्व प्रसिद्ध स्टोन एवं मार्बल उद्योग, राज्य की सीमेंट निर्माण इकाइयों एवं राजस्थानी पारंपरिक फर्नीचर और बेडिंग निर्माण इकाइयों को भी इस एफटीए से लाभ मिलेगा। राजस्थान की पारंपरिक पेंटिंग्स, पॉटरी और धातु शिल्प सहित हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए भी बड़ी संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। ब्रिटेन के लक्जरी मार्केट और दक्षिण एशियाई प्रवासी समुदाय की ओर से बढ़ती मांग इसमें सहायक होगी। राजस्थान की इंजीनियरिंग गुड्स को भी कम टैरिफ का लाभ मिलेगा और यूके के बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी। एफटीए से स्थानीय वैल्यू एडिशन नियमों के साथ ऑटो पार्ट्स के निर्यात को भी बढ़ावा देगा। होंडा का टपूकड़ा संयंत्र इस क्षेत्र में राज्य की निर्माण क्षमता को दर्शाता है, जहां से इंजन पार्ट्स और क्रैंकशाफ्ट जैसे उत्पादों का निर्यात यूके और अन्य देशों में किया जाता है।

डोटासरा ने की सांसदों एवं विधायकों से जीर्ण-शीर्ण सरकारी स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए आगे आने की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में झालावाड़ जिले में पीपलोदी गांव में सरकारी स्कूल की छत गिर जाने की हृदयविदारक घटना के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने प्रदेश के सभी सांसदों एवं विधायकों से राजनीति से ऊपर उठकर जनता के प्रति जनप्रतिनिधि की जवाबदेही का दायित्व निभाते हुए जीर्ण-शीर्ण सरकारी स्कूलों के भवन एवं अन्य जन उपयोगी भवन की मरम्मत एवं उन्हें ठीक कराने के लिए आगे आने की अपील की है ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। डोटासरा ने शनिवार को इस संबंध में एक पत्र लिखकर प्रदेश के सांसद एवं विधायक जनप्रतिनिधियों से यह अपील की। उन्होंने कहा यह वक्त पक्ष-विपक्ष का नहीं, जवाबदेही का है।

आइए.. हम सब राजनीति से ऊपर उठकर जनता के प्रति जनप्रतिनिधि की जवाबदेही का दायित्व निभाएं और संवेदना से संकल्प का प्रण दोहराएं ताकि फिर किसी स्कूल से चीखें ना आएं, फिर किसी मां की गोद सूनी ना हो, फिर किसी परिवार का चिराग ना बुझे, फिर झालावाड़ जैसे हादसों की पुनरावृत्ति ना हो उन्होंने अपील करते हुए कहा कि समस्त सांसद एवं विधायक जनप्रतिनिधि अपने संसदीय एवं विधानसभा क्षेत्रों में संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीलैड) एवं विधानसभा सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमएलएलैड) से जर्जर स्कूल के भवनों, आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं जन उपयोगी भवनों की प्राथमिकता से मरम्मत और सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यकता अनुसार राशि स्वीकृत कराने के लिए आगे आना चाहिए।

उन्होंने पत्र में लिखा कि पीपलोदी गांव की घटना हृदयविदारक है और भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। इसलिए हम सभी का दायित्व बनता है कि हम सब लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं कस्बों में स्थित शासकीय विद्यालय भवन, आंगनबाड़ी केंद्र तथा अन्य जनउपयोगी भवन जो वर्तमान में अत्यंत जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है।

विशेष रूप से वर्षा ऋतु के चलते इन भवनों की छतों में टपकाव , दीवारों में सीलन तथा संरचनात्मक क्षति की स्थिति उत्पन्न हो गई है जिससे आमजन एवं विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं सुविधा दोनों प्रभावित हो रही है। उल्लेखनीय है कि पीपलोदी हादसे के बाद शुक्रवार को डोटासरा ने कहा था कि सवाल सिर्फ स्कूल की छत गिरने और सिस्टम के ढहने का नहीं है। झालावाड़ के रोते-बिलखते परिवार और मां के आंसुओं पर जवाबदेही तय करने और नैतिक जिम्मेदारी से इस्तीफा देने का है।

बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : गजेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री तथा बीकानेर जिला प्रभारी मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि राज्य सरकार ने डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में जनकल्याण को सर्वोपरि रखते हुए कार्य किए हैं, जिससे अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को संबल मिला है। खींवसर शनिवार को बीकानेर कलेक्ट्रेट सभागार में राज्य सरकार के डेढ़ वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों, फ्लैगशिप एवं अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन तथा बजट घोषणाओं की प्रगति समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

गजेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन, सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए प्रभारी मंत्री और सचिव स्तर पर पहली बात सतत समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी इसकी गंभीरता समझें और कार्य करें। बजट की प्रत्येक घोषणा का लाभ लक्षित वर्ग को मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने वर्तमान सरकार द्वारा अब तक जारी दोनों बजट की घोषणाओं की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घोषणा के क्रियान्वयन की समय सीमा का ध्यान रखें। विभागीय अधिकारी इसकी नियमित मॉनिटरिंग करें। प्रभारी मंत्री गजेंद्र सिंह ने कहा कि राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाएं अंत्योदय कल्याण की भावना को परिलक्षित करती हैं। पहली बार पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव जैसी महत्वाकांक्षी योजना लागू की गई हैं। वहीं मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान, लाडो प्रोत्साहन योजना, अटल प्रगति पथ तथा मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन जैसी योजनाएं और कार्यक्रम आमजन को आधारभूत सुविधाएं और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारी सरकार की भावना के अनुरूप कार्य करें तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक इसका लाभ पहुंचाएं।

गजेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में चलाए जा रहे 'हरियालो राजस्थान' अभियान के दूरगामी परिमाण सामने आएंगे। इससे राजस्थान, हरित प्रदेश के रूप में विकसित होगा।

स्कूल भवन हादसा: राहुल गांधी ने मामले की जांच एवं दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की

नयी दिल्ली/जयपुर। कांग्रेस ने राजस्थान के झालावाड़ में एक सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा ढहने से हुई सात बच्चों की मौत को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और राहुल गांधी ने मामले की जांच किए जाने एवं दोषियों को कड़ी सजा दिए जाने की मांग की। यह घटना जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के पीपलोदी सरकारी स्कूल में हुई। बच्चे सुबह की प्रार्थना के लिए इकट्ठा हो रहे थे तभी छठी और सातवीं कक्षा की छत गिरने से इमारत का एक हिस्सा ढह गया, जिसमें लगभग 35 बच्चे दब गए। इस हादसे में सात बच्चों की मौत हो गई जबकि 27 लोग घायल हो गए।

इस हादसे में कान्हा (छह), पायल (12), हरीश (आठ), प्रियंका (12), कुंदन (12), कार्तिक और मीना (12) की मौत हो गई। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' में कहा कि राजस्थान के झालावाड़ में सरकारी स्कूल की छत गिरने से कई मासूम बच्चों की जान चले जाना बेहद पीड़ादायक और शर्मनाक घटना है। उन्होंने कहा, शिकायतें मिलने के बावजूद जो सरकार देश के भविष्य- हमारे बच्चों के विद्यालयों की छत की मरम्मत नहीं करवा सकती, वह 'विकसित भारत' के बड़े-बड़े सपने दिखाती है।

राजस्थान में कई जगह हुई भारी बारिश

जयपुर। राजस्थान के अनेक हिस्सों में एक नए मौसमी तंत्र के प्रभाव से भारी बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी अनेक जगह भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, पूर्वी भारत के ऊपर बना दबाव का क्षेत्र आज झारखंड व आसपास के क्षेत्रों के ऊपर है तथा इसके अगले 24 घंटों में आगे बढ़ने की पूरी संभावना है। इसके प्रभाव से पिछले 24 घंटों में पूर्वी राजस्थान में भारी से अतिभारी बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश दौसा में 158 मिलीमीटर दर्ज की गई।

आज शनिवार को कोटा, उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी से अतिभारी बारिश व अजमेर, जोधपुर, जयपुर, भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम केंद्र के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी व पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में 27 से 28 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी, अतिभारी बारिश व कहीं-कहीं अत्यंत भारी बारिश होगी। पूर्वी राजस्थान में भारी से अति भारी बारिश का दौर 29-30 जुलाई को भी जारी रहने का अनुमान है। इसी तरह जोधपुर, बीकानेर संभाग में भी आगामी 4-5 दिन बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने व कहीं-कहीं मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना है।

राजकीय संस्थानों, विद्यालयों और आंगनबाड़ी भवनों की होगी मरम्मत : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झालावाड़ जिले के पीपलोदी ग्राम के राजकीय विद्यालय में हुई हृदय विदारक घटना को संज्ञान में लेते हुए जीर्ण-क्षीर्ण, मरम्मत योग्य राजकीय संस्थानों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत संबंधी कार्य प्राथमिकता से करवाने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में उन्होंने डांग, मगरा, मेवात क्षेत्रीय विकास योजना के तहत इन संस्थानों और भवनों की मरम्मत हेतु अनुमत राशि को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का निर्णय किया है।

इसी प्रकार अब विधायक भी स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत किसी भी योजना से निर्मित राजकीय संस्थानों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत संबंधी कार्यों के लिए अपने वार्षिक आवंटन की 20 प्रतिशत राशि की अनुशंसा कर सकेंगे। पहले एमएलए-लेड में निर्मित भवनों की मरम्मत का कार्य ही इस कोष से करवाया जा सकता था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी विधायकों से पुराने और जर्जर सरकारी स्कूलों के भवनों की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए प्राथमिकता से राशि की अनुशंसा करने का आग्रह किया है। इससे राजकीय संस्थानों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्र के भवनों का सुदृढ़ीकरण हो सकेगा तथा भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने इस वर्ष के बजट में बिना भवन के और जर्जर विद्यालयों के नवीन भवनों के निर्माण और मरम्मत के लिए 375 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को भी 3 करोड़ रुपये मरम्मत कार्यों के लिए दिए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय और हवाई अड्डे को उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी ली

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री कार्यालय और जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने शनिवार को गहन तलाशी ली। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। हवाई अड्डे के आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजी गई धमकी में मुख्यमंत्री कार्यालय और हवाई अड्डे को एक से दो घंटे के भीतर उड़ाने की बात कही गई थी। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई की और तलाशी अभियान चलाया।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, बम निरोधक दस्ते, पुलिस टीम, दमकल और नागरिक सुरक्षा दल को तुरंत मुख्यमंत्री कार्यालय और हवाई अड्डे पर तैनात कर दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था मज़बूत करने के लिए राज्य सचिवालय में अतिरिक्त पुलिसकर्मी भेजे गए। उन्होंने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने मुख्यमंत्री कार्यालय और हवाई अड्डे के चपपे-चप्पे की तलाशी ली।

झालवाड़ हादसा

दो बच्चों को खोने वाली मां ने कहा 'मेरे घर के आंगन में खेलने वाला कोई नहीं बचा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झालावाड़। राजस्थान में झालावाड़ जिले के एक घर के जिस आंगन में कुछ दिन पहले तक दो भाई-बहन की हंसी गूंजा करती थी, अब वहां मातम पसरा हुआ है। झालावाड़ के पिपलोदी गांव में शुक्रवार को एक सरकारी स्कूल की इमारत ढहने की घटना में दो भाई-बहन समेत सात बच्चों की मौत हो गई। इस हादसे में छह साल के अपने बेटे कान्हा और 12 वर्षीय बेटी मीना को खोने के गम से बदहवास मां ने कहा, मेरा सबकुछ लुट गया। मेरे दो ही बच्चे थे। दोनों चले गए। मेरा घर सूना हो गया। मेरे आंगन में खेलने वाला कोई नहीं बचा। एक लड़का था, एक लड़की। भगवान मुझे ले जाता, मेरे बेटे-बेटी को छोड़ देता। शनिवार की सुबह जब सातों बच्चों के शव उनके परिवारों को सौंपे गए, तो एसआरजी अस्पताल के शवगृह के बाहर खड़े उनके परिजनों को संभालना मुश्किल हो गया। कुछ महिलाएं अपने बच्चों के शवों से लिपटकर विलाप कर रही थीं जबकि कुछ पीड़ित सदमे में मौन बैठे थे।

हादसे में मारे गए पांच बच्चों का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया गया जबकि दो बच्चों की अंत्येष्टि अलग-अलग की गई। घटना में अपने बच्चे को खोने वाली एक अन्य महिला ने घटना के समय स्कूल में मौजूद शिक्षकों की भूमिका पर सवाल उठाए। उसने कहा, मास्टर साहब भी स्कूल जाते हैं। खुद तो बाहर चले गए और बच्चों को अंदर छोड़ दिया। वे बाहर क्या कर रहे थे? इस हादसे ने राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में सरकारी विद्यालयों के बुनियादी ढांचे की स्थिति और व्यवस्थागत उपेक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

इस हादसे में मारे गए बच्चों में सबसे छोटा बच्चा केवल छह साल का था। मृतकों की पहचान पायल (12), हरीश (8), प्रियंका (12), कुंदन (12), कार्तिक और भाई-बहन मीना (12) एवं कान्हा (छह) के रूप में हुई है। स्कूल के पांच कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है और मामले की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री ने अपने बच्चों को खोने वाले परिवारों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा दिए जाने की घोषणा की है। झालावाड़ के जिलाधिकारी अजय सिंह ने शोकसंतप्त परिवारों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और कहा कि इस मामले के दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, स्कूल के पांच कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है और जांच समिति गठित की गई है। जरूरत पड़ने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। अगर निलंबन के बाद निष्कासन करना पड़ा तो वह भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता एवं सहयोग दिया जा रहा है और स्कूली शिक्षा मंत्री ने गांव में एक नया भवन बनवाने की घोषणा की है। अधिकारी ने कहा कि नियमानुसार आर्थिक सहायता पांच से 10 दिन में प्रत्येक परिवार को प्रदान कर दी जाएगी। जिलाधिकारी ने स्कूली शिक्षा मंत्री के दौरे से पहले झालावाड़ के एक अस्पताल के बाहर सड़क की मरम्मत कराए जाने संबंधी एक वीडियो को लेकर कहा, सड़क कहां बनी है? मैं जानकारी प्राप्त करूंगा। मुझे इसकी जानकारी नहीं है।

सिंह ने स्कूल भवन की मरम्मत के बारे में कहा, इसके लिए स्पष्ट निर्देश हैं। जिला प्रशासन यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है कि ऐसी घटना दोबारा नहीं हो। जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि यदि भवन की स्थिति ठीक नहीं है तो विद्यार्थियों को स्कूल में प्रवेश न करने दिया जाए।

उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्कूल के कर्मियों ने इमारत की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी थी। मनोहर थाना ब्लॉक के पीपलोदी सरकारी स्कूल में बच्चे शुक्रवार सुबह प्रार्थना के लिए इकट्ठा हो रहे थे कि तभी इमारत का एक हिस्सा ढह गया। इस घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों ने गुराड़ी चौराहे और एसआरजी अस्पताल के बाहर सड़क मार्ग को बाधित कर दिया और हादसे की जिम्मेदारी तय किए जाने की मांग की। इस विरोध प्रदर्शन में शामलि कांग्रेस नेता नरेश मीणा को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

पुलिस को सड़क से हटाने के लिए जब गुराड़ी चौराहे पहुंची तो प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और उन्होंने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे शनिवार को पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचीं।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुरू कीं मधुबनी जिले में 650 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को मधुबनी जिले में करीब 650 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाएं शुरू कीं।

मुख्यमंत्री ने सीतामढ़ी के पुनौरा धाम में प्रतिष्ठित जानकी मंदिर के प्रस्तावित पुनर्विकास स्थल का भी निरीक्षण किया, जिसे देवी सीता का जन्मस्थान माना जाता है।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार मधुबनी जिले के लौकही में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक बड़े रोड शो के दौरान बुनियादी ढांचों और पर्यटन से संबंधित परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। रोड शो हेलीपैड से शुरू होकर कार्यक्रम स्थल पर समाप्त हुआ। बयान में कहा गया है, ''मुख्यमंत्री ने खजौली-जयनगर रेलवे स्टेशनों के बीच 178 करोड़ रुपए की लागत से एक सड़क ओवर ब्रिज (आरओबी) समेत एक पहुंच मार्ग और एक रेलवे फाटक के निर्माण की आधारशिला रखी।'' उन्होंने कई परियोजनाएं भी आरंभ की, जिनमें जल संसाधन विभाग की पुरानी कमलाधार और जीवछ-कमला नदियों के पुनरुद्धार कार्य (264.93 करोड़ रुपए), सिंचाई और बाढ़ शमन को बढ़ाने के उद्देश्य से पुरानी कमला और जीवछ-कमला नदियों पर चार बैराज और संबंधित संरचनाओं का निर्माण (161.08 करोड़ रुपए) और मधुबनी नगरपालिका क्षेत्र में शहरी विकास और आवास विभाग के तहत एक अंतरराज्यीय बस टर्मिनल का निर्माण (14.53 करोड़ रुपए) शामिल हैं।

इसके अलावा, कुमार ने हरलाखी के फुलहर में 31.13 करोड़ रुपए की लागत से पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए एक परियोजना की भी शुरुआत की।

बाद में, मुख्यमंत्री ने पुनौरा धाम में जानकी मंदिर के आसपास के स्थल का निरीक्षण किया जिसका पुनर्विकास किया जाना है। यह परियोजना 882.87 करोड़ रुपए से अधिक की है और इसका शिलान्यास आठ अगस्त को होगा। राज्य सरकार ने हाल में पुनौरा धाम में 'मां जानकी मंदिर' के निर्माण और पुनर्विकास के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नौ सदस्यीय ट्रस्ट का गठन किया है।

पुराने पुनौरा धाम जानकी मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए लगभग 137 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे, जबकि 728 करोड़ रुपए मंदिर के आसपास पर्यटन संबंधी बुनियादी ढांचे के विकास के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे। बयान में कहा है कि शेष धनराशि अगले दस वर्षों में बुनियादी ढांचे के रखरखाव के लिए निर्धारित की जाएगी। बयान में कहा गया है, ''यह व्यापक विकास श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या की तर्ज पर किया जाएगा।'' समारोह में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा और विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत भी उपस्थित थे।

मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल हो रही है : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने शनिवार को कहा कि सरकार, सशस्त्र बलों और नागरिक संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से राज्य में शांति और सामान्य स्थिति लौट रही है।

उन्होंने कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में इंफाल में आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा, मणिपुर में जातीय हिंसा में कई लोगों की जान चली गई है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। सरकार ने संकट को हल करने और शांति एवं विश्वास बहाल करने के लिए कई कदम उठाए हैं। राज्य पुलिस और सशस्त्र बलों की संयुक्त टीम के संयुक्त अभियानों में पिछले कुछ महीनों में बड़ी संख्या में आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा, सरकार, सशस्त्र बलों और नागरिक संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से राज्य में शांति और सामान्य स्थिति लौट रही है। हाल के महीनों में जबरन वसूली में शामिल कई उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है।

इंफाल घाटी के पांच जिलों से 90 आग्नेयास्त्र, 728 कारतूस और विस्फोटक जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के पांच जिलों में सुरक्षाबलों ने शनिवार को 90 आग्नेयास्त्र और 700 से अधिक कारतूस एवं विस्फोटक जब्त किए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जब्त किए गए कई आग्नेयास्त्र कथित तौर पर मई 2023 में राज्य में जातीय संघर्ष भड़कने के बाद पुलिस शस्त्रागार से लूटे गए थे।

इस संबंध में पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए इंफाल पूर्वी, इंफाल पश्चिम, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों में कई स्थानों पर एक साथ समन्वित अभियान शुरू किया गया। मणिपुर पुलिस, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), सेना और असम राइफल्स की संयुक्त टीम द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान 90 अग्नेयास्त्र जब्त किए गए, जिनमें एके सीरीज की तीन राइफल, एक एम16 राइफल, पांच इंसास राइफल, एक इंसास एलएमजी, चार एसएलआर, 20 पिस्तौल, चार कार्बाइन, सात .303 राइफल और आठ अन्य राइफल शामिल हैं। इसमें कहा गया, कुल 728 कारतूस और विस्फोटकों में 21 ग्रेनेड तथा छह आईईडी शामिल हैं। 21 मैगजीन और 24 वायरलेस हैंडसेट जब्त किए गए।''

बिहार में हालात भयावह हो गए हैं

चिराग ने कानून-व्यवस्था को लेकर नीतीश सरकार पर निशाना साधा

पटना/गयाजी/भाषा। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शनिवार को दरार नजर आई। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने राज्य सरकार पर अपराधियों के सामने ''नतमस्तक'' होने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें नीतीश कुमार सरकार का समर्थन करने पर दुख हो रहा है। इस टिप्पणी पर नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) की ओर से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई और उसने लोजपा (रामविलास) अध्यक्ष चिराग पासवान से कहा कि ''पहले वह ये सुनिश्चित करें कि उनकी पार्टी आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को पार्टी में शामिल न करे।'' भाजपा नीत राजग के घटक दल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख के गयाजी जिले में रैली को संबोधित करने के लिए रवाना होने से पहले पटना में पत्रकारों ने गयाजी में सामूहिक बलात्कार की घटना से जुड़ा सवाल पूछा।

पासवान ने कहा, ''यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। दोषियों को भले ही पकड़ लिया गया हो, लेकिन प्रशासन ऐसे अपराधों को रोकने में असमर्थ है। ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिस अपराधियों के सामने नतमस्तक है। स्थिति भयावह है और अफसोस होता है कि मैं एक ऐसी सरकार का समर्थन कर रहा हूं जो कानून-व्यवस्था को नियंत्रित करने में असमर्थ है। हमें ऐसी घटनाओं के पीड़ितों की पीड़ा के बारे में सोचना चाहिए।''

दस्तावेज होने के बावजूद बांग्ला भाषियों को निशाना बनाया जा रहा : टीएमसी सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद और पश्चिम बंगाल प्रवासी श्रमिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष समीरुल इस्लाम ने आरोप लगाया है कि कुछ राज्यों में वैध दस्तावेज होने के बावजूद बांग्ला भाषी प्रवासियों को निशाना बनाकर उन्हें बांग्लादेशी करार दिया जा रहा है।

'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में इस्लाम ने कहा कि घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए, लेकिन राज्य सरकार द्वारा नागरिकता की पुष्टि किये जाने के बावजूद, बांग्ला भाषी लोगों को हिरासत में लिया जा रहा है या सीमा पार भी भेजा जा रहा है। इस्लाम ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''दस्तावेज सत्यापन के नाम पर भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषियों को निशाना बनाया जा रहा है। यह धर्म का मामला नहीं है, जो कोई भी बांग्ला बोल रहा है, वह निशाने पर है।'' उन्होंने कहा, ''वे आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र दिखाते हैं। कुछ लोगों ने अपने पासपोर्ट और जमीन के दस्तावेज भी दिखाए हैं। फिर भी उन्हें हिरासत में रखा जा रहा है और पश्चिम बंगाल सरकार के साथ कोई जानकारी साझा नहीं की जा रही है।'' इस्लाम ने कहा कि जब भी उन्हें किसी बंगाली प्रवासी के खिलाफ मामले की सूचना मिलती है, तो वे स्थानीय पुलिस और संबंधित जिलाधिकारी से सत्यापन कराने के साथ उनकी पृष्ठभूमि की पूरी जांच करते हैं। इस्लाम ने कहा, ''सभी जांच पूरी होने और उसे (संबंधित अधिकारियों के साथ) साझा करने के बाद भी, वे हमारे साथ सहयोग नहीं करते। यह भाजपा शासित राज्यों द्वारा अपनाया जा रहा बंगाल विरोधी रवैया है।'' उन्होंने कहा कि ऐसे मामले भी सामने आए हैं जहां जमीन के दस्तावेजों वाले पश्चिम बंगाल के निवासियों को बांग्लादेश भेजा जा रहा है।

ओडिशा में बाढ़ की चेतावनी जारी

तीन जिलों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/बालासोर/भाषा। ओडिशा सरकार ने शनिवार को बालासोर, भद्रक और जाजपुर जिले के अधिकारियों को 'उच्च सतर्कता' बरतने का निर्देश देते हुए कई नदियों में उफान के मद्देनजर निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का आदेश दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

राज्य बाढ़ प्रकोष्ठ के अनुसार, जलाका और वैतरणी नदियां पहले ही खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं जबकि बालासोर जिले में सुवर्णरेखा नदी भी खतरे के निशान को पार कर चुकी है। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि मयूरभंज और क्योंझर जिलों में भारी बारिश के कारण स्वर्णरेखा, जलाका और वैतरणी नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि मयूरभंज जिले में पिछले 24 घंटों में 94 मिमी बारिश दर्ज की गई और इसमें भी जिले के 13 प्रखंडों में 100 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई।

अधिकारी ने बताया कि जलाका और वैतरणी जल संग्रहण क्षेत्रों में भी भारी बारिश हुई, जिससे जलस्तर में तेजी से वृद्धि हुई। उन्होंने बताया कि बालासोर जिले के कई निचले इलाके पहले ही जलमग्न हो चुके हैं तथा रविवार को स्थिति और खराब हो सकती है। जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता चंद्रशेखर पाढ़ी ने कहा, ''बालासोर जिले के बस्ता, भोगराई, जलेश्वर और बलियापाल प्रखंडों में रविवार को बाढ़ आने की आशंका है, क्योंकि सुवर्णरेखा नदी का जल स्तर खतरे के निशान 10.36 मीटर के मुकाबले 11 मीटर से ऊपर पहुंचने की आशंका है।'' वहीं, एक अन्य अधिकारी ने बताया कि बालासोर जिला प्रशासन ने बस्ता प्रखंड से कई लोगों को पहले ही सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया है तथा प्रभावित लोगों के लिए सामुदायिक रसोई शुरू की है।

पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में 1.25 करोड़ अवैध प्रवासी हैं: शुभेंदु अधिकारी का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में 1.25 करोड़ अवैध प्रवासी हैं और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद उन सभी को वापस भेज दिया जाएगा।

पूर्वी मेदिनीपुर जिले के तामलुक में अधिकारी ने कहा कि धार्मिक उत्पीड़न के कारण पलायन करने वाले हिंदुओं को इस प्रक्रिया को लेकर चिंतित होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, ''यदि बिहार में सूची से लगभग 50 लाख नाम बाहर किए गए, तो बंगाल में ऐसे नामों की संख्या 1.25 करोड़ तक हो सकती है। एसआईआर के बाद पश्चिम बंगाल में सभी बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को वापस भेज दिया जाएगा।'' अधिकारी ने कहा, ''इस बार मुख्यमंत्री को कोई नहीं बचा पाएगा। सारी लूट-खसोट और भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा। फर्जी मतदान की घटनाएं कम होंगी। जो लोग फर्जी मतदान करते थे, उन्हें बाहर कर दिया जाएगा।'' उन्होंने सरकारी अधिकारियों को ईमानदारी से काम करने की ''चेतावनी'' दी और कहा कि ऐसा न करने वाले जिला स्तर के अधिकारियों को परेशानी होगी। टीएमसी ने उनकी टिप्पणियों को सांप्रदायिक बयानबाजी बताते हुए खारिज किया, जिसका उद्देश्य ''चुनाव से पहले मतदाताओं का ध्रुवीकरण करना है''। टीएमसी प्रवक्ता देबांशु भट्टाचार्य ने भाजपा को 1.25 करोड़ अवैध प्रवासियों की सूची निर्वाचन आयोग को सौंपने की चुनौती देते हुए पूछा, ''क्या वह वाकई इतनी बड़ी संख्या की पहचान कर सकते हैं? क्या शुभेंदु अधिकारी ने कभी रोहिंग्या को देखा है या जानते हैं कि वे कौन सी भाषा बोलते हैं?'' उन्होंने दावा किया कि एसआईआर का उद्देश्य विपक्षी दलों के समर्थकों को मतदाता सूची से हटाना है।

ओडिशा : सफाई कर्मियों को 10 लाख रुपए का होगा जीवन बीमा, मौत पर 30 लाख का मुआवजा

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को सफाई कर्मचारियों के लिए 10 लाख रुपए का जीवन बीमा और ड्यूटी के दौरान उनकी मृत्यु होने पर 30 लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की। माझी ने ओडिशा सरकार के आवास एवं शहरी विकास विभाग की ओर से आयोजित 'मुख्य स्वच्छता कार्य में परिवर्तन - सुरक्षा, सम्मान और समावेश' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन करने के बाद यह घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''सफाई कर्मचारियों को न्याय, सुरक्षा और सम्मान प्रदान करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।''

उन्होंने कहा, ''मुख्य सफाई कर्मचारियों जिनमें अधिकतर सीवेज और सेप्टी टैंक की सफाई का कार्य कर रहे हैं उन्हें 10 लाख रुपए का जीवन बीमा कवर दिया जाएगा और मौत होने की स्थिति में 30 लाख रुपए की सहायता प्रदान की जाएगी।''

सरकार के निकम्मेपन और माफियाओं के गठजोड़ के कारण रद्द होती हैं परीक्षाएं : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार में कुछ स्थानों पर कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की परीक्षा रद्द होने संबंधी खबर का हवाला देते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि यह सरकार के निकम्मेपन, प्रशासनिक भ्रष्टाचार और परीक्षा माफियाओं के गठजोड़ का नतीजा है। राहुल ने कहा कि युवाओं के सपनों के साथ विश्वासघात बंद होना चाहिए।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''एसएससी फेज़ 13 की परीक्षा में सामने आ रही गड़बड़ियां सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि मोदी सरकार के विफल और सड़े हुए सिस्टम का आईना हैं। उन्होंने कहा कि 400500 किलोमीटर दूर से परीक्षा देने पहुंचे युवाओं को केंद्र पर जाकर पता चलता है कि उनकी परीक्षा रद्द कर दी गई है। कांग्रेस नेता के मुताबिक, सिस्टम की खामियों के कारण लगातार पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने से लाखों युवाओं और उनके परिवारों की मेहनत, समय और उम्मीदें बर्बाद हो रही हैं। उन्होंने दावा किया, पिछले 10 सालों में नीट, यूजीसी नेट, यूपीपीएससी, बीपीएससी और बोर्ड परीक्षाओं सहित 80 से ज्यादा परीक्षाओं में खुलेआम धांधली हुई है। सिर्फ इस साल की धांधली से 85 लाख बच्चों का भविष्य प्रभावित हुआ है। इन्हें रोकने में सरकार नाकाम रही है और भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और सुधार के उसके बड़े-बड़े वादे खोखले साबित हुए हैं।

पुलिस ने देह व्यापार में लिप्त 10 युवतियों सहित 16 लोगों को गिरफ्तार किया

कुशीनगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में पुलिस ने देह व्यापार से जुड़े एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो होटलों से 10 युवतियों सहित 16 लोगों को गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि 'पर्ल' होटल और उत्सव मैरेज लान से इन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

अधिकारी ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि होटल संचालक नवीन सिंह सुविधाएं मुहैया कराने के लिए ग्राहकों से पैसे लेता था और पुलिस की सूचना देने के लिए होटल में कर्मचारी भी तैनात किया हुआ था। उन्होंने बताया कि नवीन सिंह और सीपीएन राव इस संगठित नेटवर्क को चला रहे थे तथा इन्हें शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अधिकारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं और अनैतिक व्यापार अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है।

सपा विधायक ने कांवड़ यात्रा में जाने वालों को अनपढ़ करार दिया, मंत्री ने आस्था का विषय बताया

बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश के सिकंदरपुर विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक मोहम्मद जियाउद्दीन रिजवी ने शनिवार को दावा किया कि कांवड़ यात्रा में किसी बड़े नेता या उद्योगपति के परिवार के लोग नहीं बल्कि गांव के अनपढ़ और अंधविश्वास में फंसे लोग जाते हैं। सपा विधायक के बयान पर पलटवार करते हुए परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने मामले को आस्था का विषय बताया और कहा कि शिव भक्त बनने के लिए पढ़ाई-लिखाई की जरूरत नहीं होती। अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे मोहम्मद रिजवी ने जिला मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा,कावड़ यात्रा में गांव के अनपढ़ और अन्धविश्वास में फंसे लोग जाते हैं। विधायक ने सवाल उठाया, कावड़ यात्रा में फूल बरसाये जा रहे हैं। कोई बताये भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) का बेटा, अमित शाह का बेटा, अनिल अंबानी का बेटा या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के किसी सांसद और विधायक का बेटा कावड़ यात्रा में क्यों नहीं गया।

सरकारी भर्ती परीक्षा के दौरान बेहोश हुई महिला ने एंबुलेंस में सामूहिक बलात्कार का आरोप लगाया

गयाजी/भाषा। बिहार के गयाजी जिले में एक महिला ने आरोप लगाया है कि सरकारी भर्ती परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद उसे अस्पताल ले जा रही एंबुलेंस में उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि होमगार्ड भर्ती अभियान में शामिल पीड़िता द्वारा पहचाने गए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक (नगर) रामानंद कुमार कौशल ने कहा, ''24 जुलाई को जब महिला बेहोश हो गई, तो उसे एंबुलेंस से गयाजी स्थित अनुग्रह नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। होश में आने पर महिला ने आरोप लगाया कि उसके साथ एंबुलेंस के अंदर बलात्कार किया गया।''

रिदम ममानिया ने दक्षिण कोरिया में रोलर स्केटिंग में जीता स्वर्ण

मुंबई/भाषा। भारत की 13 वर्षीय रिदम ममानिया ने दक्षिण कोरिया में आयोजित एशियाई रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में एकल फ्री डांस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इस प्रतियोगिता के 20वें सत्र का आयोजन दक्षिण कोरिया के जेचियन शहर में हो रहा है जहां छह बार की राष्ट्रीय चैंपियन रिदम ने देश का नाम रोशन किया। रिदम ने इस साल की शुरुआत में ताइवान में हुई आर्टिस्टिक रोलर स्केटिंग ओपन प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक जीता था। मुंबई की खिलाड़ी ने चार साल की उम्र से स्केटिंग करना शुरू कर दी थी। रिदम का लक्ष्य अब ब्रिसबेन में होने वाले पैसिफिक कप में भाग लेना है।

कोहली, रोहित और अश्विन के बाद बुमराह ले सकते हैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास : कैफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन के बाद जसप्रीत बुमराह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले अगले क्रिकेटर हो सकते हैं क्योंकि दुनिया के नंबर एक गेंदबाज का शरीर साथ नहीं दे रहा।

इकतीस वर्षीय बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे चौथे टेस्ट के तीसरे दिन लय में नहीं दिखे और 28 ओवर गेंदबाजी करने के बाद उन्होंने जैमी स्मिथ का एकमात्र विकेट लिया। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने कैफ ने 'एक्स' पर एक वीडियो में पोस्ट किया, ''मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह आगामी टेस्ट मैचों में खेलते हुए नहीं दिखेंगे और यह भी संभव है कि वह संन्यास ले लें।'' उन्होंने कहा, ''विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन भी संन्यास ले चुके हैं। और अब लगता है, बुमराह की बारी है। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को शायद इसकी आदत डालनी होगी। मेरा मानना है कि अब आपको बुमराह के बिना टेस्ट मैच देखने की आदत डालनी होगी। '' कैफ ने कहा, ''मुझे उम्मीद है और दुआ है कि मैं गलत हूं। लेकिन इस टेस्ट में मैंने जो देखा, उससे ऐसा लग रहा है कि वह बिल्कुल भी आनंद नहीं ले रहे हैं। वह अपने शरीर से लड़ाई हार गए हैं। जोश और जुनून तो वही है, लेकिन शरीर साथ नहीं दे रहा है। और ऐसी स्थिति में आप क्या कर सकते हैं। ''

रोहित के संन्यास के बाद भारतीय 'थिंक-टैंक' की कप्तानी के लिए पहली पसंद बुमराह थे लेकिन उन्होंने अपने कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए इस पद के लिए नहीं' कह दिया। बुमराह ने एक साक्षात्कार में कहा था, ''हां, बीसीसीआई टीम के नेतृत्व के लिए मुझे चाहते थे। लेकिन फिर मुझे मना करना पड़ा। यह टीम के लिए भी उचित नहीं है कि पांच टेस्ट मैचों की शृंखला में कोई तीन मैचों में और कोई दो मैचों में नेतृत्व करे। यह टीम के लिए उचित नहीं है और मैं हमेशा टीम को प्राथमिकता देना चाहता था। ''

आगरा में अवैध धर्मांतरण के मामले में पाकिस्तान के दो नागरिकों की भूमिका सामने आई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के आगरा में अवैध धर्मांतरण के मामले में पाकिस्तान के दो नागरिकों की भूमिका सामने आई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

आगरा के पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने बताया, पाकिस्तान के दो इन्फ्लुएंसर तनवीर अहमद और साहिल अदीम के नाम सामने आए हैं तथा ये धर्म परिवर्तन के लिए उपदेश देते थे।

कुमार के अनुसार, ये दोनों बताते थे कि इस्लाम क्यों अपनाना चाहिए और ये राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी एक चुनौती है। उन्होंने बताया, जांच में सामने आया कि लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्हें बौद्धिक चर्चाओं के लिए भी आमंत्रित किया गया था। आमंत्रित लोगों में कश्मीर की कुछ लड़कियों का एक समूह भी शामिल था।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने चार मई को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज कर तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि इस मामले में अब तक कुल 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया जा चुका है।

सुविचार

आत्मविश्वास का मतलब है कि आप अपने सपनों का पीछा करें, चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ आएं।

ट्वीट

मैं आप सभी का दर्द महसूस कर सकती हूँ, क्योंकि मैं भी एक माँ हूँ। मैं जानती हूँ कि एक माँ अपने बच्चे को कितने स्नेह और सपनों के साथ बड़ा करती है। यह ऐसा दुःख है, जिसकी कोई सीमा नहीं होती।

-वसुंधरा राजे

कारगिल विजय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। यह दिन हमें उन अमर जवानों की याद दिलाता है, जिन्होंने कारगिल की दुर्गम पहाड़ियों में अपने अद्भुत शौर्य और पराक्रम की मिसाल कायम करते हुए शत्रुओं को परास्त किया और पुन: तिरंगा लहराया।

-गोविंद सिंह डोटासरा

कहानी

बाल गुरु

मृदुला गर्ग

लड़का तब चौथी कक्षा में पढ़ता था। इतिहास की क्लास चल रही थी। टीचर बोल रही थी कि बस बोल रही थी। ज्ञानवर्द्धक अच्छी-अच्छी बातें। कम अज कम कयास तो यही लगाया जाता है। सहसा उस पर नजर पड़ी कि झपट ली, अकबर के पिता का नाम बतलाओ। मुझे नहीं मालूम, उसने कहा। क्यों नहीं मालूम? जो मैं कह रही थी, सुन नहीं रहे थे?

नहीं। क्यों नहीं? टीचर का पारा आहिस्ता-आहिस्ता ऊपर चढ़ रहा था हालाँकि उसे अपने संयत स्वभाव पर खासा गर्व था। मैं सोच रहा था, जवाब ने उसे कुछ और चिढ़ाया। वाकई! किस बारे में सोच रहे थे? बारे में नहीं, बस सोच रहा था। वाह! हम भी जानें क्या सोच रहे थे? वह पता होता तो मैं सोचना बंद न कर देता। गहरे सोच में डूबे उसने कहा।

टीचर का दिमागी थरमामीटर टूटने की कगार पर पहुँच गया। फिर भी खुद पर काबू रखा। वह नहीं चाहती थी उसका रक्तचाप और बढ़े। पहले लापरवाही, ऊपर से बदतमीजी! सख्त पर मद्धिम स्वर में उसने कहा, चलो प्रिन्सिपल के पास।

प्रिन्सिपल अजब उलझन में पड़ गया। सोचना शुरू किया तो सोच का दायरा बढ़ता चला गया। क्या सोचना गलत था?

क्या सच बोलना गलत था? सही क्या था और क्या गलत? ज्यादा महत्वपूर्ण क्या था, सोच-विचार करके सत्य की पड़ताल करना या तथ्यों की सूची का बखान सुनना? उस दौरान टीचर उसके खिलाफ शिकायतों की एक लंबी फेहरिस्त गिनाती रही। बर बार इस जुमले को दुहरा कर, हालाँकि अपने लंबे शिक्षण काल में उसने अपने गुस्से पर काबू रखना काफी अच्छी तरह सीख लिया था पर हर चीज की एक हद होती है। हद पार कर लेने पर भी किसी को उसके किए की सजा न मिले तो फिर कोई हद बाकी नहीं रहती। भाषा और मुहावरे पर उसकी पकड़ उस्तादों वाली थी। आखिर थी जो उस्ताद, वह भी इतिहास की। काफी देर बोल लेने के बाद उसने पूछा, तो आपका क्या निर्णय है?

सॉरी, प्रिन्सिपल ने कहा, आपने क्या कहा, मैंने सुना नहीं।

मैंने पूछा, आपका क्या निर्णय है? वह नहीं। उससे पहले आपने जो कहा, मैं सुन नहीं पाया। कुछ नहीं! कैसे? क्यों? टीचर अकबकाई। मैं सोच रहा था। क्या सोच रहे थे? वह पता होता तो मैं सोचना बंद न कर देता... उसने कहना शुरू किया, फिर सँभल कर रुक गया। क्या वह भ्रष्ट हो रहा था? जो था, उससे अलग होने के लिए, उसकी उम्र शायद ज्यादा हो चुकी थी। उसने लड़के को कड़ी चेतावनी दी। स्कूल के नियम-कायदों के मुताबिक रहना सीखे। दुबारा ऐसी गुस्ताखी की तो स्कूल से निकाला भी जा सकता था। अगले दिन, प्रिन्सिपल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा माँगा नहीं गया था। उसने खुद-ब-खुद निर्णय ले लिया।

लड़का अपनी गति से चलता रहा और आखिर दसवीं कक्षा का इम्तिहान पास कर गया। उतने ऊँचे अंकों से नहीं, जितने की उसके माता-पिता को उम्मीद थी। पर जितने उसकी टीचर के अनुसार आने चाहिए थे, उनसे कहीं ज्यादा ले कर। उसकी माँ, इम्तिहान से दो महीने पहले उसे पीलिया हो जाने को कम अंकों के लिए जिम्मेवार ठहरा रही थी तो क्लास टीचर बीमारी के बावजूद उतने अंक पाने के लिए, उसकी बेपनाह-बदतमीज जिद को।

जो हो, वह दसवीं के बोर्ड इम्तिहान के साथ जूनियर साइंस टैलंट छात्रवृत्ति के लिखित पर्चे में भी पास हो गया।

अगले दिन साक्षात्कार या मौखिक इम्तिहान होना था कि अचानक उसे जोरों का बुखार चढ़ गया। कोई बात नहीं, माँ ने सोचा, आधुनिक चिकित्सा जिंदाबाद! एक ही दिन में एंटीबायोटिक का चमत्कार बुखार नीचे ले आएगा। अगली सुबह वह इम्तिहान दे लेगा। साक्षात्कार के लिए इस्त्री की हुई साफ-सुथरी कमीज और पैंट आलमारी में टँगी थीं। बस जूते गंदे थे, बहुत नहीं पर पॉलिश की चमक से महरूम। साक्षात्कार के लायक कदापि नहीं।

शाम घिर आई। बुखार तब भी काफी तेज बना रहा। जूते पॉलिश नहीं हो पाए। क्यों न जूतों को मोची के पास भेज कर पॉलिश करवा लें, माँ ने सुझाव रखा, इतने तेज बुखार में तुम नहीं कर पाओगे, है न? नहीं, उसने कहा, मैं खुद करूँगा। कब? जवाब नहीं आया। सुबह बहुत जल्दी घर से निकलना है। बुखार की बात छोड़ो। न भी होता तो सुबह जूते पॉलिश करने का वक्त नहीं होता तुम्हारे पास। जवाब फिर भी नदारद रहा। आँखें मुँदी देख माँ ने सोचा, शायद नींद आ गई है। बुखार उतारने के लिए आराम करना, बल्कि सो रहना, निहायत जरूरी था। सो उसे सोने दिया।

पर जूते? बे-पॉलिश जूते सिर पर सवार थे। बमुश्किल एक घंटा अधैर्य पर काबू रखा फिर हथियार डाल दिए। जूते ले कर बैठ गई। वैसे भी जूते पॉलिश करने के अपने कौशल पर उसे काफी नाज था।

हमेशा की तरह जूते पॉलिश करने में बहुत मजा आया। कैसे उन्होंने उसके हाथों के इशारों पर नई जिंदगी पाई। एक पल वे सड़क के गलीज बच्चों की तरह दीख रहे थे तो दूसरे पल, पब्लिक स्कूल के चमचमाते छात्रों की मानिंद! वाह! अपने चेहरे और प्यार भरे दिल की हूबहू प्रतिछाया देखने के लिए पॉलिश किए जूतों से उम्दा आरसी नहीं मिलेगी। हाथ कंगन को आरसी क्या? वाजिब है। पर दिल तो हम हाथ में लिए घूमते नहीं। उसे चाहिए एक जोड़ी पॉलिश किए जूते। उसे अपने पर गर्व हो आया। बड़ी आजिजी से चमचमाते जूते उसके बिस्तर के बराबर रख दिए। आँख खुलते ही उन पर नजर पड़ेगी।

अलसुबह बुखार जाँचा। था तेज। पर चारा क्या था। सँभाल लेगा। उसके लिए नाश्ता तैयार किया। मेज पर रख, बेटे को बुलाने उसके कमरे में गई। देखा, वह हाथ में जूता पकड़े फर्श पर बैठा था।

मैंने कल रात पॉलिश कर दिए थे, उसने सगर्व कहा। मालूम है, उसने कहा और ब्रश उठा लिया। तब जाकर उसकी नजर जूतों पर गड़ी। जहाँ-तहाँ मिट्टी लिसड़ी पड़ी थी। पर... कैसे? वह मनोयोग से जूतों पर ब्रश मारता रहा। फिर पास रखा कपड़ा उठा उन्हें चमकाने लगा। ''पर जूते... मैंने पॉलिश...'' उसने निरर्थक संवाद बोला। तभी मुझे बगीचे से मिट्टी ला कर उन पर डालनी पड़ी। मेरे जूते मेरे सिवा कोई पॉलिश नहीं करता। उसका चेहरा जूतों की तरह चमक रहा था।

लड़का अब बीस बरस का हो चुका था। अमरीका के सैन फ्रेंन्सिस्को शहर में काम कर रहा था। तभी वहाँ बीसवीं सदी का मशहूर जलजला आया। माँ को आ चुकने पर पता चला। टी.वी. की मार्फत। देखा, सुना और महसूसा। एक बार नहीं, बार-बार। वे गोल्डन गेट के पास धसकी जमीन में गिरी मोटरगाड़ी को बार-बार दिखला रहे थे। बार-बार देखने पर लगता है, एक नहीं, अनेक हादसे घट लिए। बशर्ते आपका उनसे निजी सरोकार हो। हादसा तभी हादसा बनता है न जब किसी को कोई फर्क पड़े?

छत्तीस घंटे अकेले हादसे महसूसते गुजरे। तमाम फोन लाइने बंद थीं, किसी और रास्ते खबर मिलनी मुमकिन न थी। उससे बात हो पाने का तो सवाल ही नही था। छत्तीस घंटे बीत जाने पर आखिर फोन लगा। प्याला टूट गया, उसने कहा।

तुम्हारे सब दोस्त ...दफ्तर में सहयोगी, सब ठीक हैं? प्याला टूट गया, उसने फिर कहा। किस प्याले की बात कर रहा था वह। कोई कप होगा; जीत में मिला होगा। पर उसकी परवाह कब से होने लगी उसे! क्या बहुत कीमती था? खासा बेवकूफ महसूस करते हुए उसने पूछा। नहीं। वह खाली मेज के बीचोंबीच रखा था, फिर भी टूट गया। तुमने टूटते देखा? हाँ। मैंने तभी मेज के बीचोंबीच रखा था। मेज बिल्कुल खाली थी। तुम समझ रही हो न? मेज पर और कुछ नहीं था। फिर भी वह टूट गया। टकराए बिना गिर कर? वही तो। समझी, जलजला बहुत बुरा था। बुरा नहीं, बड़ा था। उसने कहा।

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शिवोऽहम्...(2)

शिवोऽहम के संदर्भ में आज निर्वाण षटकम के दूसरे श्लोक पर विचार करेंगे।

न च प्राणसंज्ञो न वै पंचवायु:
न वा सप्तधातु: न वा पंचकोश:।
न वाक्पाणिपादं न चोपस्थपायु
चिदानन्दरूप: शिवोऽहम शिवोऽहम।।

न मैं मुख्य प्राण हूँ और न ही मैं पंचप्राणों में से कोई हूँ। न मैं सप्त धातुओं में से कोई हूँ, न ही पंचकोशों में से कोई। न मैं वाणी, हाथ, अथवा पैर हूँ, न मैं जननेंद्रिय या मलद्वार हूँ। मैं सदा शुद्ध आनंदमय चेतन हूँ, मैं शिव हूँ , मैं शिव हूँ। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य के इस अद्भुत आत्मपरिचय को यथासंभव समझने का प्रयास जारी रखेंगे।

वैदिक दर्शन में प्राण को ही प्रज्ञा भी कहा गया। शाखायन आरण्यक का उद्घोष है,

यो व प्राण: सा प्रज्ञा, या वा प्रज्ञा स प्राण:

अर्थात जो प्राण है, वही प्रज्ञा है। जो प्रज्ञा है वही प्राण है।

प्राण, वायु के माध्यम से शरीर में संचरित होता है। संचरण करने वाली वायु पाँच स्थानों पर मुख्यत: स्थित होती है। इन्हें पंचवायु कहा गया है। पंचवायु में प्राण, अपान, समान, व्यान, और उदान समाविष्ट हैं।

स्थूल रूप से समझें तो प्राणवायु का स्थान नासिका का अग्रभाग माना गया है। यह सामने की ओर गति करने वाली है। प्राणवायु देह तथा प्राण की अधिष्ठात्री है। अपान का अर्थ है नीचे जाने वाली। अपान वायु गुदा भाग में होती है। मूत्र, मल, शुक्र आदि को शरीर के निचले भाग की ओर ले जाना इसका कार्य होता है। समान वायु संतुलन बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसका स्थान आमाशय बताया गया है। भोजन का समुचित पाचन इसका दायित्व है। व्यान वायु शरीर में सर्वत्र विचरण करती है। इसका स्थान हृदय माना गया है। रक्त के संचार में इसकी विशेष भूमिका होती है। उदान का अर्थ ऊपर ले जाने वाली वायु है। अपने उर्ध्वगामी स्वभाव के कारण यह कंठ, उर, और नाभि में स्थित होती है। वाकशक्ति मूलरूप से इस पर निर्भर है।

इसी तरह त्वचा, मांस, मेद, रक्त, पेशी, अस्थि एवं मज्जा, शरीर की सप्तधातुएँ हैं। इनमें से किसी एक के अभाव में मानवशरीर की रचना दुष्कर है। शरीर में इनका संतुलन बिगड़ने पर अनेक प्रकार के विकार जन्म लेते हैं।

अन्नमय, मनोमय, प्राणमय, विज्ञानमय, आनंदमय, शरीर के पंचकोश हैं। हर कोश का नामकरण ही उसे परिभाषित करने में सक्षम है। विभिन्न कोशों द्वारा चेतन, अवचेतन एवं अचेतन की अनुभूति होती है।

जगद्गुरु उपरोक्त श्लोक के माध्यम से अस्तित्व का विस्तार प्राण, पंचवायु, सप्तधातु, पंचकोश से आगे ले जाते हैं। तीसरी पंक्ति में वर्णित वाणी, हाथ, पैर, जननेंद्रिय अथवा गुदा तक, स्थूल या सूक्ष्म तक आत्मस्वरूप को सीमित रखना भी हाथी के जितने भाग को स्पर्श किया, उतना भर मानना है।

विवेचन करें तो मनुष्य को ज्ञात सारे आयामों से आगे हैं शिव। शिव का एक अर्थ कल्याण होता है। चिदानंदरूप शिव होना मनुष्यता की पराकाष्ठा है। इस पराकाष्ठा को प्राप्त करना, हर जीवात्मा का लक्ष्य होना चाहिए।

दरख़्त रानी

पुराने ज़माने में किसी गाँव में एक बूढ़ा आदमी रहता था। उसकी शादी को 20 साल हो गए थे पर वह औलाद की दौलत से महरूम था। भगवान की कृपा से बूढ़े की औरत का पाँव भारी था। नई-नई चीज़ें खाने को उसका जी चाहता था। बूढ़ा भी अपनी बिसात के मुताबिक़ उसे खाने की चीज़ें ला कर देता था।

एक रोज़ बूढ़े की बीवी को खट्टे-मीठे बेर खाने की बहुत ख़्वाहिश हुई। गरमी के मौसम में बेर कहाँ मिलते हैं। फिर भी बूढ़ा बेरों की तलाश में जंगलों में भटकता रहा। एक दिन जंगलों में इधर-उधर बेर तलाश करते हुए वह एक तालाब के किनारे पहुँचा तो एक बेर की झाड़ी नज़र आई। बूढ़े को बहुत खुशी हुई। वह अपने दोनों हाथों से बेर इकट्ठे करने लगा।

अभी झोली भर बेर ही तोड़े थे कि एक आदमख़ोर मगरमच्छ ने अपना बड़ा सा मुँह पानी से ऊपर निकाला और ज़ोर से साँस खींची। उसके साँस लेने से एक ज़ोरदार आँधी चली और बूढ़ा कमज़ोरी की वजह से अपने को न संभाल पाया और तालाब में आ गिरा। बूढ़ा अपने को संभालते हुए किनारे तक पहुँचना ही चाहता था कि मगरमच्छ ने इसके पाँव ही पकड़ लिए। बूढ़ा उससे कहने लगा,''भाई खट्टे-मीठे बेरों की तलाश में मेरे पाँव घिस गए और फिर जब बेर मिले तो मेरे रास्ते में तू रोड़ा बनता है।''

''तेरी यह मक्कारी मुझपर कोई असर नहीं करेगी। बहुत दिनों से इंसान का गोश्त खाने को नहीं मिला। तेरी करारी हड्डियों को चबाने में मुझे बहुत मज़ा आएगा। आज मैं तुझे खाऊँगा।'' मगरमच्छ ने लार टपकाते हुए कहा। ''क्यों। मुझे तू क्यों खाएगा'' ''इसलिए क्योंकि तूने मुझसे बग़ैर इजाज़त लिए मेरे बेर लिए हैं।''

''भाई मैं यह बेर बहुत मजबूरी में ले रहा हूँ। मेरी बीवी की हालत कुछ ऐसी है। मैं और मेरी बीवी अब और ज़्यादा इंतज़ार नहीं कर सकते।'' बूढ़े की बात सुनकर मगरमच्छ समझ गया। ''ओह'' अगर यह बात है तो मैं तुझे नहीं खाऊँगा। तू अपनी राह ले लेकिन मेरी एक शर्त है। ''क्या शर्त'' है। बूढ़े ने पूछा। ''अगर लड़का होगा तो तेरा और लड़की हुई तो मेरी।'' ''मंज़ूर'' कहकर वह बेरों की झोली संभालते हुए चल दिया। वह अपने दिल में सोचने लगा कि मगरमच्छ उसे फिर कहाँ मिलेगा और अगर उसके यहाँ लड़का पैदा हुआ तो फिर तो परेशानी की कोई बात ही नहीं।

बूढ़ा अपनी बीवी की आव भगत में कोई कमी नहीं करता था। दिन पर लगा कर उड़ते रहे और एक दिन बूढ़े के घर एक खूबसूरत और बहुत तंदरूस्त लड़की पैदा हुई। बच्ची को देखकर उसे मगरमच्छ की बात याद आई तो वह काँप उठा। लड़की का रंग गुलाब के फूल की तरह था। उसकी आँखे हीरों की तरह चमकदार थीं। वह परियों की तरह हसीन और मासूम थी। ऐसी मन्नतों और मुरादों की लड़की मगरमच्छ के पेट में जाए यह सोचकर बूढ़ा दुख से काँपने लगा। उसने सोचा कि अब वह कभी तालाब के किनारे नहीं जाएगा।

बारिश का मौसम आया और नदी में बाढ़ आ गई। मगरमच्छ पानी में बह कर तालाब से निकल कर खेत में आ गया। अब उसे आसानी से शिकार मिलने लगा। एक दिन बूढ़ा खेत से सब्ज़ी तोड़कर ला रहा था तो रास्ते में मगरमच्छ ने उसे रोककर सवाल किया।

''क्यों बे बुडढ़े! मुझसे छुपता क्यों है? तू मुझसे छुप कर कहाँ भागेगा। सीधी तरह बता तेरे यहाँ लड़की हुई या लड़का।'' ''लड़की हुई है।'' बूढ़े ने सहमी हुई आवाज़ में कहा। ''तो फिर वह मेरी है। मेरी अमानत को अब तक तूने अपने पास क्यों रखा है। क्या तू अमानत में ख़्यानत करना चाहता है।'' ''इतनी छोटी बच्ची को तुझे कैसे दे दूँ?'' बूढ़े ने कहा। ''चौदह साल पहले तूने मुझसे वादा किया था। क्या वह अब भी बच्ची है। तू बाप की नज़र से देखता है वह अगर बूढ़ी भी हो जाएगी तब भी वह बच्ची ही रहेगी। तू मुझे अब और बेवकूफ़ नहीं बना सकता। मैं तुझे चैन से रहने नहीं दूंगा। देख! अगर तूने लड़की को कल ही लाकर मुझे नहीं दिया तो मैं तुम तीनों को एक-एक कर ख़त्म कर दूँगा।'' मगरमच्छ ने कहा।

''वह मेरी बेटी है। अपना खून तुझे मैं कैसे दे दूँ? लोग क्या कहेंगे?'' बूढ़े ने सवाल किया। ''लोग क्या कहेंगे वह मैं नहीं जानता। तू क्या कहता है? वादा ख़िलाफ़ी करना चाहता है?'' मगरमच्छ ने गुस्से से चिल्लाकर कहा। ''नहीं नहीं! यह बात नहीं है। मै चाहता हूँ कि मेरी बेटी को इस बात का पता न चले। और।।।'' बूढ़ा कहते-कहते रुक गया। ''तू क्या चाहता है बोल।'' मगरमच्छ ने कहा।

''मेरी लड़की को कमल का फूल बहुत पसंद है। तू अपनी पीठ पर एक कमल का फूल रखकर तालाब के अंदर पानी के नीचे बैठे रहना। जब लड़की खुशी से इसे लेने जाएगी तो इसे तू ले जाना।'' मगरमच्छ को यह तरकीब पसंद आई। दूसरे दिन जब बूढ़े ने अपनी बीवी को बताया तो लड़की की माँ परेशान हो गई। वह अपने आपको कोस रही थी कि क्यों उसने बेर खाने की ख़्वाहिश की। आज उसकी बेटी मौत के मुँह में जा रही थी। भगवान उसे मौत क्यों नहीं देता। उसका दिल रो रहा था लेकिन वह लड़की से कह रही थी, ''बेटी! कितने दिन हुए नानी के घर तू नहीं गई। वह तुझे याद कर रही है। तू आज अपने बाप के साथ नानी के घर जाएगी। दो दिन रहकर वापस आ जाना।'' बूढ़े की बेटी मगरमच्छ को सामने देखकर घबरा गई और चीख़ने लगी लेकिन उसकी चीख़ जंगल में गूंज कर रह गई पर उसका बाप वापस नहीं आया। मगरमच्छ उसको अपने बड़े-बड़े पंजों में पकड़ कर तालाब के दूसरे किनारे एक गुफा के अंदर ले गया और वहाँ लड़की को छोड़कर वापस आ गयाननिहाल जाने की बात सुनकर बेटी को खुशी हुई। उसके लिए मामू का घर जन्नत से कुछ कम नहीं था। वहाँ की हर चीज़ उसे पसंद थी। वहाँ का चाँद खूबसूरत था। वहाँ के फूल खूबसूरत और फल रसीले थे। नानी के घर जाने की ख़बर सुनकर वह खुशी से नए कपड़े पहन कर तैयार हो गई थी। बूढ़ा उसे लेकर जंगल और नाले पार करता हुआ उस तालाब के किनारे पहुँचा और बेटी को तालाब के किनारे बैठा कर बोला, ''बेटी तू यहाँ बैठी रह। मैं अभी आया।'' बूढ़ा चला गया लेकिन वापस नहीं आया।

उधर बेटी को एक बेहद खूबसूरत कमल का फूल नज़र आया। वह सोचने लगी कि इतना खूबसूरत कमल तालाब के बिल्कुल किनारे खिला है लेकिन उसे अभी तक किसी ने हाथ नहीं लगाया! हो सकता है किसी की नज़र उस पर न पड़ी हो। बूढ़े की बेटी धीरे से पानी के अंदर गई। कमल के फूल की तरफ हाथ बढ़ाते ही कमल थोड़ा आगे खिसक गया। लड़की डर कर अपने बाप को पुकारने लगी। घुटने पानी हुआ है बाबा कमल खिसकता जाता है वह फिर आगे बढ़ने लगी। कमल फिर से खिसक गया। लड़की चीख़ कर अपने बाप को पुकारने लगी। छाती पानी हुआ है बाबा कमल खिसकता जाता है बाप वहाँ होता तो जवाब देता। उसे डर लग रहा था वह सोच रही थी कि वापस चली जाए। उसी वक़्त बड़ी-बड़ी लाल आँखों वाला मगरमच्छ मुँह खोले पानी की सतह पर दिखाई दिया। बूढ़े की बेटी मगरमच्छ को सामने देखकर घबरा गई और चीख़ने लगी लेकिन उसकी चीख़ जंगल में गूंज कर रह गई पर उसका बाप वापस नहीं आया। मगरमच्छ उसको अपने बड़े-बड़े पंजों में पकड़ कर तालाब के दूसरे किनारे एक गुफा के अंदर ले गया और वहाँ लड़की को छोड़कर वापस आ गया।

लड़की की मासूमियत और खूबसूरती को देखकर उसे खाने का इरादा इस वक़्त उसने छोड़ दिया। राहगीर जो तालाब में नहाने या पानी पीने आते थे, उन्हें वह पेट भरकर खाता और उस आदमी के पास खाने का जो सामान होता उसे लाकर इस लड़की को देता। लड़की इस गुफा में पड़ी रहती। पर मगरमच्छ के डर से वह कुछ बोलती नहीं थी।

इस तरह दिन गुज़रते गए। चारों तरफ इस तालाब का मगरमच्छ आदमखोर के नाम से मशहूर हो गया था। डर के मारे कोई राहगीर इस तालाब की तरफ़ नहीं आता था। मगरमच्छ भूख से बेक़रार होने लगा। उसने तालाब की बड़ी-बड़ी मच्छलियों को खाकर ख़त्म कर दिया। अब वह भूख के मारे मरने लगा। जंगल की गाय-बकरी भेड़ भी वह भूख की शिद्दत में खा गया। अब उसके डर से वहाँ कोई जानवर भी पानी पीने नहीं आता था। जब उसे ज़ोर की भूख सताने लगी तो वह बूढ़े की बेटी के क़रीब आकर उसे अपनी लाल और ललचाई आँखों से घूरने लगा। बूढ़े की बेटी समझ गई कि अब उसकी बारी थी। लेकिन मगरमच्छ ने उसे उस दिन नहीं खाया। सोचने लगा कि अब उसके दाँतों में धार नहीं थी। उन्हें लुहार से तेज़ कराने के बाद उस लड़की को खाएगा। यह सोचकर वह लुहार के पास चला गया।

बोध कथा

हाथी और चतुर खरगोश

एक वन में 'चतुर्दन्त' नाम का महाकाय हाथी रहता था। वह अपने हाथीदल का मुखिया था। बरसों तक सूखा पड़ने के कारण वहा के सब झील, तलैया, ताल सूख गये, और वृक्ष मुरझा गए। सब हाथियों ने मिलकर अपने गजराज चतुर्दन्त को कहा कि हमारे बच्चे भूख-प्यास से मर गए, जो शेष हैं मरने वाले हैं। इसलिये जल्दी ही किसी बड़े तालाब की खोज की जाय।

बहुत देर सोचने के बाद चतुर्दन्त ने कहा----मुझे एक तालाब याद आया है। वह पातालगडगा के जल से सदा भरा रहता है। चलो, वहीं चलें। पाँच रात की लम्बी यात्रा के बाद सब हाथी वहाँ पहुँचे। तालाब में पानी था। दिन भर पानी में खेलने के बाद हाथियों का दल शाम को बाहर निकला। तालाब के चारों ओर खरगोशों के अनगिनत बिल थे। उन बिलों से जमीन पोली हो गई थी। हाथियों के पैरों से वे सब बिल टूट-फूट गए। बहुत से खरगोश भी हाथियों के पैरों से कुचले गये। किसी की गर्दन टूट गई, किसी का पैर टूट गया। बहुत से मर भी गये।

हाथियों के वापस चले जाने के बाद उन बिलों में रहने वाले क्षत-विक्षत, लहू-लुहान खरगोशों ने मिल कर एक बैठक की। उस में स्वर्गवासी खरगोशों की स्मृति में दुःख प्रगट किया गया तथा भविष्य के संकट का उपाय सोचा गया। उन्होंने सोचा----आस-पास अन्यत्र कहीं जल न होने के कारण ये हाथी अब हर रोज इसी तालाब में आया करेंगे और उनके बिलों को अपने पैरों से रौंदा करेंगे। इस प्रकार दो चार दिनों में ही सब खरगोशों का वंशनाश हो जायगा। हाथी का स्पर्श ही इतना भयङ्कर है जितना साँप का सूँघना, राजा का हँसना और मानिनी का मान। इस संकट से बचाने का उपाय सोचते-सोचते एक ने सुझाव रखा----हमें अब इस स्थान को छोड़ कर अन्य देश में चले जाना चाहिए। यह परित्याग ही सर्वश्रेष्ठ नीति है। एक का परित्याग परिवार के लिये, परिवार का गाँव के लिये, गाँव का शहर के लिये और सम्पूर्ण पृथ्वी का परित्याग अपनी रक्षा के लिए करना पड़े तो भी कर देना चाहिये। किन्तु, दूसरे खरगोशों ने कहा----हम तो अपने पिता-पितामह की भूमि को न छोड़ेंगे।

कुछ ने उपाय सुझाया कि खरगोशों की ओर से एक चतुर दूत हाथियों के दलपति के पास भेजा जाय। वह उससे यह कहे कि चन्द्रमा में जो खरगोश बैठा है उसने हाथियों को इस तालाब में आने से मना किया है। संभव है चन्द्रमास्थित खरगोश की बात को वह मान जाय। बहुत विचार के बाद लम्बकर्ण नाम के खरगोश को दूत बना कर हाथियों के पास भेजा गया। लम्बकर्ण भी तालाब के रास्ते में एक ऊँचे टीले पर बैठ गया; और जब हाथियों का झुण्ड वहाँ आया तो वह बोला----यह तालाब चाँद का अपना तालाब है। यह मत आया करो। गजराज----तू कौन है ? लम्बकर्ण----मैं चाँद में रहने वाला खरगोश हूँ। भगवान चन्द्र ने मुझे तुम्हारे पास यह कहने के लिये भेजा है कि इस तालाब में तुम मत आया करो। गजराज ने कहा----जिस भगवान चन्द्र का तुम सन्देश लाए हो वह इस समय कहाँ है ? लम्बकर्ण---इस समय वह तालाब में हैं। कल तुम ने खरगोशों के बिलों का नाश कर दिया था। आज वे खरगोशों की विनति सुनकर यहाँ आये हैं। उन्हीं ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है। गजराज----ऐसा ही है तो मुझे उनके दर्शन करा दो। मैं उन्हें प्रणाम करके वापस चला जाऊँगा। लम्बकर्ण अकेले गजराज को लेकर तालाब के किनारे पर ले गया। तालाब में चाँद की छाया पड़ रही थी। गजराज ने उसे ही चाँद समझ कर प्रणाम किया और लौट पड़ा। उस दिन के बाद कभी हाथियों का दल तालाब के किनारे नहीं आया।

वीर गाथा

कैप्टन अक्षत उपाध्याय : समय पर सही फैसला लेकर बचाई सैकड़ों लोगों की जान

कैप्टन अक्षत उपाध्याय भारतीय सेना की जाट रेजिमेंट के ऐसे बहादुर योद्धा हैं, जिन्होंने अपनी जान की बाज़ी लगाकर अन्य लोगों की जान बचाई थी। माता सुषमा उपाध्याय और पिता मनोज कुमार उपाध्याय के बेटे अक्षत ने अनेक बार वीरता और पराक्रम का प्रदर्शन किया है। 27-28 मई, 2023 की रात को कैप्टन अक्षत और उनकी पार्टी ने उत्तर-पूर्व में एक अस्थायी संचालन बेस स्थापित किया था। उन्होंने रात करीब 3 बजे गांव में एक घर से आग की लपटें निकलते हुए देखीं। यही नहीं, गांव की ओर एक उग्र भीड़ आती दिखाई दी।

उस समय अक्षत ने अपनी पार्टी को सतर्क कर दिया। साथ ही, बेहतर अवलोकन के लिए इलूमनैशन राउंड फायर करने का आदेश दिया। जैसे ही फायर किया गया, उनकी पार्टी की ओर भारी गोलीबारी की गई।

इस बीच कैप्टन अक्षत ने रणनीतिक कदम उठाया। वे अपनी टीम को उग्र भीड़ के पीछे ले गए। उन्होंने भीड़ को चेतावनी दी कि वह घरों को न जलाए। इसके बावजूद दंगाइयों ने उन पर गोलीबारी की। कैप्टन अक्षत ने जवाबी कार्रवाई की और चार उग्रवादी वहीं ढेर हो गए। इसके अलावा पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई से असामाजिक तत्त्वों में भगदड़ मच गई और 200 ग्रामीणों का जीवन सुरक्षित हुआ।

कैप्टन अक्षत उपाध्याय ने समय पर सही फैसला लेकर ग्रामीणों और अपने जवानों की जान बचाई। उन्हें असाधारण साहस, अद्वितीय सामरिक कौशल और उच्च स्तरीय वीरता के लिए 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

दक्षिण-पश्चिम चीन के गुइझोऊ प्रांत के गुईआन न्यू एरिया में 2025 चीन-आसियान शिक्षा सहयोग सप्ताह के तहत अंतर्राष्ट्रीय संस्कृति और कला आदान-प्रदान के लिए एक प्रदर्शन के दौरान कलाकार।

'कंप्यूटर और एआई की पढ़ाई से मानवता नहीं आ सकती'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति मनोज मिश्र ने शनिवार को यहां कहा कि कंप्यूटर, एआई और प्रौद्योगिकी की पढ़ाई से विद्यार्थियों में मानवता नहीं आ सकती। उन्होंने कहा, हमें बेहतरीन इंसान बनाने के लिए कला, सामाजिक विज्ञान और साहित्य के शिक्षण पर भी जोर देना होगा।

न्यायमूर्ति मिश्र ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में चार विशिष्ट पूर्व छात्र और वर्तमान में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के सम्मान समारोह में कहा, विश्वविद्यालय में सभी विषयों को समझकर ही विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास होता है। इस विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान मुझे जो सीख मिली, वह पूरे जीवन काम आई है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यार्थी की सफलता में शिक्षक के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा, विश्वविद्यालय में शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच बने संबंध ही विद्यार्थियों को सफल बनाते हैं।

उन्होंने कहा, विद्यार्थी, शिक्षकों की डांट से ना डरें क्योंकि शिक्षकों की डांट भी जीवन का सबसे महत्वपूर्ण पाठ पढ़ाती है। विद्यार्थी विश्वविद्यालय में अच्छे मित्र जरूर बनाएं क्योंकि विद्यार्थी जीवन की दोस्ती जीवनभर साथ निभाती है। आपकी गलतियों को बताने वाले मित्र से दूरी ना बनाएं। आपकी कमियां बताने वाला ही आपका वास्तविक शुभचिंतक है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने विधि के विद्यार्थियों को सलाह दी कि कानून केवल किताबों में नहीं बल्कि आपके जीवन में है। उन्होंने कहा, समाज को समझकर ही कानून को सही तरीके से समझा जा सकता है। कानून के क्षेत्र में शार्टकट से मिली सफलता ज्यादा लंबी नहीं टिकती।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने कार्यक्रम में कहा कि देश में विविधता में एकता के लिए दूसरे को समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि त्वरित निर्णय लेने के बजाय दूसरे के प्रति विनम्र भाव रखते हुए सहनशील बनने की जरूरत है क्योंकि सहिष्णुता ही भारत की नींव है।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने चिंता जताई कि वर्तमान में विद्यार्थियों के अंदर से बाहर की दुनिया खो गई है। उन्होंने कहा कि दूसरे विश्वविद्यालयों और समाज में हो रहे घटनाक्रमों से आज के विद्यार्थी स्वयं को अलग कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने कहा कि विद्यार्थियों को समाज में हो रहे घटनाक्रम पर भी नजर रखनी चाहिए।

न्यायमूर्ति पंकज मित्तल ने विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान के अनुभवों को याद करते हुए कहा, कैंपस का माहौल और यहां होने वाली चर्चाओं से मेरा जुड़ाव कला और साहित्य से हुआ। छात्रावासों में कविताएं लिखने और समझने का मौका मिला। उन्होंने अपने शिक्षक डॉ. बीबी सक्सेना के साथ बिताएं लम्हों को याद किया।

न्यायमूर्ति पंकज मित्तल ने कहा, मेरी जड़े विश्वविद्यालय और यहां के बरगद के पेड़ से जुड़ी हैं। गांधी पीस फाउंडेशन के माध्यम से गांधी को समझने का मौका मिला जो आज भी हमें प्रेरणा देता रहता है।

विश्वविद्यालय के ईश्वर टोपा भवन सभागार में शनिवार को आयोजित विशिष्ट पूर्व छात्र सम्मान समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव ने की।

'यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद एलुमनाई एसोसिएशन' की ओर से इन न्यायाधीशों को सम्मानित किया गया।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जारी संघर्ष से हजारों लोगों को होना पड़ा विस्थापित

सुरिन (थाईलैंड)एपी। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर शनिवार को लगातार तीसरे दिन संघर्ष जारी रहा, जिसमें अब तक कुल 33 लोग मारे जा चुके हैं और 168,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर फिर से हमले करने का आरोप लगाया है। दोनों पर युद्ध विराम के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है।

कई सीमावर्ती गांवों के पास गोलीबारी की खबरें आई है, जिससे लड़ाई और बढ़ गई है। बृहस्पतिवार को सीमा पर एक बारूदी सुरंग में विस्फोट होने सेपांच थाई सैनिकों के घायल होने के बाद संघर्ष फिर से भड़क गया। कंबोडियाई और थाई अधिकारियों ने जवाबी कार्रवाई करने का दावा किया है।

दोनों देशों ने अपने राजदूतों को वापस बुला लिया है। थाईलैंड ने कंबोडिया से लगी अपनी उत्तर-पूर्वी सीमा को बंद कर दिया है।

कंबोडिया के अधिकारियों ने शनिवार को 12 और लोगों की मौत होने की सूचना दी, जिससे देश में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 13 हो गई।

दूसरी ओर थाईलैंड के अधिकारियों ने कहा कि एक सैनिक की मौत के बाद मृतकों की संख्या 20 हो गई, जिनमें अधिकतर आम लोग हैं।

क्षेत्रीय समूह दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) पर अपने दोनों सदस्य देशों के बीच तनाव कम करने का दबाव बढ़ रहा है। शुक्रवार को एक आपात बैठक के दौरान, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने तनाव कम करने का आह्वान किया और आसियान से शांतिपूर्ण समाधान के लिए मध्यस्थता कराने की अपील की।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच 800 किलोमीटर लंबी सीमा दशकों से विवादित रही है, लेकिन पिछले टकराव सीमित और संक्षिप्त रहे हैं। मौजूदा तनाव मई में तब शुरू हुआ जब एक टकराव में एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई। इससे कूटनीतिक तनाव पैदा हो गया और थाईलैंड की घरेलू राजनीति में उथल-पुथल मच गई।

कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि थाईलैंड ने शनिवार तड़के पुरसात प्रांत में कई जगहों पर पांच भारी तोपों से गोले दागे।

कंबोडिया ने इसे अकारण और पूर्वनियोजित आक्रामक कार्रवाई बताया। मंत्रालय की प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता ने कहा कि कोह कांग प्रांत में तनाव बढ़ गया है, जहां कथित तौर पर चार थाई नौसैनिक जहाज तट के पास पहुंच गए हैं जबकि चार अन्य रास्ते में हैं। उन्होंने कहा कि नौसैनिकों तैनाती एकआक्रामक कार्रवाई है जिससे तनाव और बढ़ने का खतरा है।

पाकिस्तान को सबक सिखाने में भारतीय सेना को 22 मिनट भी नहीं लगे : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि पुलवामा हमले के बाद भारतीय सेना को पूरे पाकिस्तान को सबक सिखाने में 22 मिनट भी नहीं लगे और सेना ने पाकिस्तान स्थित आतंकी शिविरों को तहस-नहस करके उसे घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।

मुख्यमंत्री यहां करगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित 'करगिल विजय शहीद दिवस-2025' कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान और इसके आतंकियों ने पुलवामा में 22 निर्दोष यात्रियों की जान ले ली। इसके बाद भारतीय सेना को पूरे पाकिस्तान को सबक सिखाने में 22 मिनट भी नहीं लगे और सेना ने पाकिस्तान स्थित आतंकी शिविरों को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पुलवामा में दुस्साहस करने वालों को कीमत चुकाने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के साहस और पराक्रम को देखकर पाकिस्तान अमेरिका की शरण में पहुंचा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत एक मोर्चे पर कई देशों से लड़ रहा था, लेकिन इसके बावजूद भारतीय सेना के सामने पाकिस्तान की एक नहीं चली और अंत में पाकिस्तान को समर्पण के लिए मजबूर होना पड़ा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''कुछ लोग सत्ता में आने के बाद परिवारवाद के सहारे जातिवाद से सामाजिक ताने-बाने को छिन्न भिन्न करने का काम करते हैं। जब भी हम ऐसी प्रवृत्ति के लोगों के चंगुल में फंसते हैं, तो हमें बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। हमारे पास योद्धाओं, वैभव और बुद्धि की कमी नहीं है, लेकिन कुछ लोगों ने अपने हित के लिए देश को बांटने का काम किया। उन्होंने कहा, आज भी कुछ राजनीतिक दल बांटने का काम कर रहे हैं। उस दौरान भी विभाजन हमारी कमजोरी थी। फिर से हमें विभाजन से बचने की आवश्यकता है। हमें 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' को समर्थ और सशक्त बनाने के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि करगिल विजय दिवस का संदेश भी यही है। उन्होंने कहा कि जिन वीर सैनिकों ने अपना बलिदान दिया है, उनसे यही प्रेरणा मिलती है कि एक भारत श्रेष्ठ भारत के माध्यम से एक सशक्त और समर्थ देश की परिकल्पना को साकार करें।

अनुभवी कलाकारों की तुलना में इंफ्लुएंसर्स को ज्यादा मौके मिलते हैं : समृद्धि शुक्ला

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री समृद्धि शुक्ला इन दिनों लोकप्रिय टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अपने किरदार को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने डिजिटल क्रिएटर्स के बढ़ते प्रभाव के बारे में अपनी राय रखी। अभिनेत्री ने अकहा कि आज के मनोरंजन जगत में इंफ्लुएंसर्स को अनुभवी कलाकारों की तुलना में ज्यादा मौके मिलते हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस को बताया, इंफ्लुएंसर्स को मौके तो मिलते हैं, लेकिन वह इसे कितने अच्छे से उपयोग करते हैं, यह तो उनके काम से ही पता चलता है। अगर कोई इंफ्लुएंसर अभिनय में अच्छा है, तो ये अच्छी बात है लेकिन अगर आपका अभिनय उतना अच्छा नहीं है, तो शायद आपको फिर से सोचना चाहिए। यह एक बदलाव है जो मैं देख रही हूं। आज के दौर में दर्शक किस तरह के कंटेंट की ओर आकर्षित होते हैं, इस पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि टीवी पर हम ऐसा अभिनय करते हैं जिससे दर्शक अपने आपको जोड़ पाएं।

उन्होंने कहा, आजकल जो शो अच्छे चल रहे हैं, उनके किरदार काफी जाने पहचाने से लगते हैं। अगर ऐसी कहानी है जिसके किरदार उस पर परफेक्ट नहीं बैठ रहे हैं, भले ही वे मुख्य किरदार ही क्यों न हों, उनमें खामियां दिखने ही लगती हैं। समृद्धि ने यह भी बताया कि वह एक अभिनेत्री के रूप में नए-नए किरदारों में खुद को ढलते देखना चाहती हैं। वो हर जॉनर में खुद को साबित करना चाहती हैं। उन्हें थ्रिलर फिल्में देखना पसंद है, लेकिन रोमांटिक कॉमेडी उनकी पसंद है। फिर भी, वह भविष्य में रोम-कॉम किरदार निभाना चाहेंगी।

उन्होंने कहा, मुझे थ्रिलर बहुत पसंद है और मैं ओटीटी पर थ्रिलर करना चाहूंगी। लेकिन मैं रोम-कॉम भी करना चाहूंगी, क्योंकि मुझे कॉमेडी करना बहुत अच्छा लगता है। समृद्धि शुक्ला वर्तमान में लोकप्रिय टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अभिरा पोद्दार की भूमिका निभा रही हैं। टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' लंबे समय से चलता आ रहा है। इस सीरियल का निर्माण राजन शाही के प्रोडक्शन हाउस 'डायरेक्टर कुट प्रोडक्शंस' के तहत हो रहा है। इस सीरियल में रोहित पुरोहित और समृद्धि शुक्ला मुख्य भूमिका में हैं।

सैफ पर हमलावर के खिलाफ 'पुख्ता सबूत' उपलब्ध, पुलिस ने जमानत याचिका का किया विरोध

मुंबई/भाषा

पुलिस ने बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर इस वर्ष जनवरी में उनके घर पर चाकू से हमला कर उन्हें घायल करने के आरोप में गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिक की जमानत याचिका का विरोध करते हुए मुंबई की एक अदालत से कहा कि आरोपी के खिलाफ ''पुख्ता सबूत'' हैं। फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट का हवाला देते हुए पुलिस ने सत्र अदालत के समक्ष अपने पहले के दावे को दोहराया कि हमले के दौरान अभिनेता की रीढ़ के पास लगे चाकू के टुकड़े तथा अपराध स्थल पर मिले चाकू के एक टुकड़े का मिलान आरोपी शरीफ-उल-इस्लाम से बरामद हथियार से हो गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को अदालत में आरोपी की याचिका के लिखित जवाब में कहा कि ये तीन टुकड़े उसी चाकू के थे जिसका इस्तेमाल अभिनेता पर हमला करने के लिए किया गया था।

खान पर 16 जनवरी को बांद्रा स्थित उनके 12वीं मंजिल स्थित अपार्टमेंट में एक चोर ने चोरी के प्रयास के दौरान चाकू से कई वार किए थे। अभिनेता (54 वर्षीय) ने हमले के दौरान अपनी रीढ़ की हड्डी के पास फंसे चाकू के टुकड़े को निकालने के लिए लीलावती अस्पताल में सर्जरी करवाई। उन्हें पांच दिन बाद निजी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

खान पर चाकू से हमला करने के आरोप में बांग्लादेशी नागरिक इस्लाम को दो दिन बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अपने जवाब में बताया कि आरोपी एक बांग्लादेशी नागरिक है जो भारत में अवैध रूप से रह रहा है। अगर उसे ज़मानत मिल जाती है, तो इस बात की संभावना है कि वह भारत से भाग जाए और मुकदमे के दौरान अदालत में पेश न हो। पुलिस ने तर्क दिया कि आरोपी द्वारा किया गया अपराध बेहद गंभीर प्रकृति का है और उसके खिलाफ पुख्ता सबूत मौजूद हैं। वकील विपुल दुशिंग के माध्यम से दायर अपनी जमानत याचिका में आरोपी ने दावा किया कि वह निर्दोष है और उसका कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

उर्वशी रौतेला ने जेद्दा में दी परफॉर्मेंस, कहा- यह बहुत गर्व और सम्मान की बात

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने सऊदी अरब के जेद्दा में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया। इस परफॉर्मेंस के लिए उर्वशी को 7 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि का भुगतान करना पड़ा। उर्वशी ने इस अनुभव के बारे में उत्साहित होकर कहा, मुझे बहुत गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है कि मैंने सऊदी अरब के जेद्दा में पहली बार बतौर भारतीय महिला कलाकार परफॉर्म किया है, यह पल सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि हर उस भारतीय महिला का है जो सीमाओं से परे सपने देखने की हिम्मत रखती है। उन्होंने आगे कहा, इतने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना, जहां इतनी समृद्ध संस्कृति और इतिहास है, मेरे लिए यह गर्व की बात है। यह सिर्फ एक परफॉर्मेंस नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक सेतु है, महिला सशक्तीकरण का संदेश है और कला के माध्यम से वैश्विक एकता को प्रदर्शित करता है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में, उर्वशी अपने बेबाक अंदाज में स्टेज दमदार परफॉर्मेंस करती नजर आ रही हैं। इस दौरान दर्शकों ने उनका खूब उत्साहवर्धन किया। काले और सिल्वर रंग के आउटफिट्स के साथ कॉम्प्लिमेंट्री मेकअप और बड़े-बड़े सिल्वर इयररिंग्स में उर्वशी हमेशा की तरह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। अभिनेत्री ने अपनी परफॉर्मेंस का एक वीडियो शेयर किया था। जिसमें उन्होंने लिखा, मरहबा जेद्दा, सऊदी अरब की पवित्र भूमि, मैं आपसे प्यार करती हूं। आप सभी का शाही अंदाज में मेरे और मेरे परिवार का स्वागत करने के लिए बहुत शुक्रिया।

तीज

नई दिल्ली के पीतमपुरा स्थित दिल्ली हाट में तीन दिवसीय तीज महोत्सव 2025 के पहले दिन लोग विभिन्न गतिविधियों का आनंद लेते हुए।

करगिल विजय दिवस विशेष

बॉलीवुड की वो अभिनेत्रियां जिन्होंने वर्दी पहनकर राष्ट्र को किया सलाम

मुंबई/एजेन्सी

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर, जब पूरा देश अपने वीर सैनिकों की बहादुरी और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करता है, ऐसे में उन बॉलीवुड अभिनेत्रियों को याद करना समीचीन होगा जिन्होंने पर्दे पर वर्दी पहनकर नारी शक्ति, कर्तव्य और देशभक्ति का बेजोड़ उदाहरण पेश किया। जहाँ ग्लैमर और चकाचौंध से भरी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आमतौर पर नायिकाओं को पारंपरिक भूमिकाओं में देखा जाता है, वहीं कुछ चुनिंदा अदाकाराओं ने वर्दी पहनकर नायिका से सिनेमाई योद्धा बनने तक का सफर तय किया। आइए नजर डालते हैं उन अभिनेत्रियों पर जिन्होंने बड़े पर्दे पर भारतीय सशस्त्र बलों का गौरव बढ़ाया।

दीपिका पादुकोण: फाइटर फिल्म में स्क्वाड्रन लीडर मीनल राठौड़ की भूमिका निभाते हुए दीपिका पादुकोण ने अपने अभिनय में गंभीरता और शारीरिक दृढ़ता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। वायुसेना की वर्दी में उनकी उपस्थिति न सिर्फ प्रभावशाली थी, बल्कि एक्शन दृश्यों में उनकी तैयारी और समर्पण भी साफ झलकता था।

कियारा आडवाणी: हाल ही में रिलीज़ हुए वॉर 2 के ट्रेलर में कियारा आडवाणी ने धमाकेदार एक्शन सीन्स के ज़रिए स्क्रीन पर जबरदस्त प्रभाव छोड़ा है। पंच, चेज़ और स्टंट्स के बीच उनकी आंखों में दिखती गंभीरता और संकल्प देखते ही बनते हैं। लेकिन जो सबसे ज़्यादा दिल जीतता है, वो है वर्दी में उनका आत्मविश्वास, गरिमा और अनुशासन।

प्रियंका चोपड़ा: जय गंगाजल में पुलिस अधीक्षक अभा माथुर की भूमिका निभाते हुए प्रियंका चोपड़ा ने अपने अभिनय कौशल का लोहा मनवाया। भ्रष्ट व्यवस्था में ईमानदारी की मिसाल बनीं उनकी भूमिका में दमदार संवाद, दृढ़ नारी शक्ति और प्रभावशाली एक्शन का शानदार मेल देखने को मिला।

जान्हवी कपूर: गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल फिल्म में जान्हवी कपूर ने फ्लाइट लेफ्टिनेंट गुंजन सक्सेना की भूमिका में दमदार और भावनात्मक अभिनय किया। कारगिल युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म महिलाओं के साहस और संघर्ष की मिसाल थी। जान्हवी ने अपने किरदार की आंतरिक लड़ाई, जज़्बा और दृढ़ निश्चय को बेहद संजीदगी से दर्शाया।

कंगना रनौत: तेजस फिल्म में भारतीय वायुसेना की पायलट की भूमिका में कंगना रनौत ने एक मिशन पर निकली योद्धा का किरदार निभाया। फिल्म एक्शन और थ्रिल से भरपूर थी, लेकिन कंगना ने अपने अभिनय में जो गंभीरता, आत्मबलिदान और संकल्प दिखाया, वह काबिल-ए-तारीफ था।

यामी गौतम: उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक में खुफिया अधिकारी पल्लवी शर्मा की भूमिका में यामी गौतम ने पर्दे के पीछे काम करने वाले नायकों का प्रतिनिधित्व किया। सैन्य अभियान की रणनीति और योजना में उनकी भूमिका अहम थी। वर्दी में उनका संयमित, चतुर और गंभीर अभिनय दर्शकों को प्रभावित करता है।

डायना पेंटी: परमाणु: द स्टोरी ऑफ पोखरण में भले ही मुख्य ध्यान भारत के गुप्त परमाणु मिशन पर था, लेकिन डायना पेंटी ने सेना की अधिकारी बनकर अपने किरदार में गरिमा और मजबूती का परिचय दिया। पुरुष प्रधान टीम के बीच उनकी भूमिका ने संतुलन और आत्मविश्वास का संदेश दिया।

इन सभी अभिनेत्रियों ने अपने-अपने किरदारों से यह साबित कर दिया कि देशभक्ति केवल जंग के मैदान में नहीं, बल्कि परदे पर निभाए गए सच्चे और प्रेरणादायक किरदारों से भी जताई जा सकती है।

सुष्मिता सेन की युवाओं से अपील- 'सपने देखें पर हिम्मत भी जरूरी'

मुंबई/एजेन्सी

पूर्व मिस यूनिवर्स और अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस (आईआईएमयूएन) में युवाओं को संबोधित करने के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। सुष्मिता सेन ने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह ब्लैक ड्रेस में पोज देती नजर आईं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, निमंत्रण मिलना सम्मान है, प्रेरित करना जिम्मेदारी। आईआईएमयूएन आपके जोश, सवालों और भविष्य के लिए अटूट आशा के लिए धन्यवाद। उन लोगों के बीच होना खुशी की बात थी, जो सिर्फ सपने नहीं देखते, बल्कि हिम्मत भी दिखाते हैं। अडिग रहें, विनम्र रहें। सुष्मिता ने छात्रों से कहा, लोग आपको खूबसूरत कहेंगे, लेकिन यह सिर्फ शारीरिक सुंदरता नहीं है। अगर कोई चीज आपको आत्मविश्वास देती है, तो उसे अपनाएं। यह आपका जीवन और आपकी पहचान है। खुद को स्वीकार करें, ताकि आप दूसरों का आलोचनात्मक नजरिए से मूल्यांकन न करें।

सुष्मिता सेन 15 जुलाई को बांद्रा में आयोजित आईआईएमयूएन की 10वीं 'रोल मॉडल सीरीज' में हिस्सा लिया था। इस कार्यक्रम का संचालन संगठन के संस्थापक ऋषभ शाह ने किया। इवेंट में सुष्मिता सेन के साथ अभिनेत्री विद्या बालन और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भी शामिल हुईं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो सुष्मिता की वेब सीरीज आर्या काफी हिट रही है। क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज 'आर्या 3' में भी उनका दमदार अंदाज दिखा था। यह सीरीज डच ड्रामा 'पेनोजा' पर आधारित है, जिसमें सुष्मिता ने आर्या नाम की एक महिला का किरदार निभाया, जो अपने पति की हत्या का बदला लेने के लिए माफिया गैंग में शामिल होती है और अपने परिवार की रक्षा करती है। सीरीज पिछले साल फरवरी में रिलीज हुई थी। 'आर्या' को इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स 2021 के लिए सर्वश्रेष्ठ ड्रामा सीरीज श्रेणी में नॉमिनेट किया गया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | रविवार | 27-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

साउथ इंडिया गारमेन्ट एसोसिएना (सिगा) अपना 30वां सिगा गारमेन्ट फेयर 2025 का तीन दिवसीय आयोजन 29 जुलाई से करने जा रहा है। शनिवार को एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सिगा के अध्यक्ष अनुराग सिंघला ने फेयर के बारे में बताते हुए कहा कि यह वार्षिक फेयर 29, 30 व 31 जुलाई को शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में आयोजित किया जा रहा है।

जीतो ज़ेवर एक्सपो एवं दि ब्राइडल स्टोरी की तैयारियां जोरों पर

जीतो नार्थ चैप्टर व महिला विंग की बैठक में तय की गई एक्सपो की रूपरेखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन नॉर्थ चैप्टर, जीतो एपेक्स-लेडीज विंग एवं जीतो-केकेजी ज़ोन के संयुक्त तत्वावधान में 5, 6 और 7 सितम्बर को आयोजित होने जा रहे जीतो ज़ेवर एक्सपो एवं दि ब्राइडल स्टोरी की तैयारियाँ शुरू हो गई है। इस भव्य आयोजन की तैयारियों की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक राजाजीनगर स्थित जीतो नॉर्थ कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम से जुड़ी रूपरेखा, व्यवस्थाएँ और आयोजकीय जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया ने संपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया कि पहली बार जीतो इस तरह का आयोजन कर रहा है जिसमें विवाह से जुड़ी हर आवश्यकता को एक ही छत के नीचे पूरा किया जाएगा। इस एक्सपो में सोना, चांदी एवं हीरे के आभूषणों के प्रतिष्ठित ब्रांड्स के साथ-साथ लाइफस्टाइल, वेडिंग प्लानिंग, डेकोरेशन, फोटोग्राफी, मेकअप, इन्विटेशन और अन्य सभी सेवाओं के स्टॉल्स लगाए जाएंगे। यह आयोजन न केवल व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा, बल्कि विवाह से जुड़ी सेवाओं को एक समेकित मंच पर लाकर समाज के लिए एक अभिनव पहल के रूप में भी अपनी छाप छोड़ेगा।

केकेजी ज़ोन चेयरमैन प्रवीण बाफना ने आयोजन को लेकर ऐतिहासिक आयोजन बनाने की दिशा में कई सुझाव दिए। जीतो लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने दि ब्राइडल स्टोरी की संकल्पना को प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह आयोजन आधुनिक युग की दुल्हनों और परिवारों के लिए एक अद्वितीय अवसर प्रदान करेगा। इस अवसर पर जीतो नॉर्थ के मंत्री अशोक भंडारी, पंकज जैन, प्रीतेश जैन, महिला मंत्री रक्षा छाजेड़, केकेजी ज़ोन के प्रतिनिधि तुषार जैन, विकास गुलेच्छा, उपचेयरमैन सुमन वेदमुथा, मैट्रिमोनी संयोजक अरुण नाहर एवं सुनील लोढ़ा आदि सदस्य उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय 'सिगा गारमेन्ट फेयर' 29 से

देश भर से लगभग 100 से ब्रांड लगाएंगे अपने स्टॉल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साउथ इंडिया गारमेन्ट एसोसिएना (सिगा) अपना 30वां सिगा गारमेन्ट फेयर 2025 का तीन दिवसीय आयोजन 29 जुलाई से करने जा रहा है। शनिवार को एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सिगा के अध्यक्ष अनुराग सिंघला ने फेयर के बारे में बताते हुए कहा कि यह वार्षिक फेयर 29, 30 व 31 जुलाई को शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में आयोजित किया जा रहा है। सिंघला ने बताया कि यह सिगा फेयर अपने आप में एक बहुत ही अनोखा बी-टू-बी फेयर है जिसमें ऑटम व विन्टर के कलेक्शन प्रदर्शित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस फेयर में देश भी से विभिन्न नामी गिरामी ब्रांड पुरुष, महिलाओं व बच्चों के वर्ग के वैवाहिक, केजुअल, डिजाइनर, फार्मेल, वेर्स्टन, विन्टरवियर, नवजात बच्चों के कपड़ों का नया कलेक्शन 100 स्टालों के माध्यम से प्रदर्शित करेंगे। इस फेयर में कपड़ा निर्माता, वितरक, होलसेलर, रिटेलर कुल मिलाकर संबंधित प्रतिष्ठान भाग ले रहे हैं। सिंघला ने बताया कि सिगा गत 3 दशक से सरकार व कपड़ा उद्योग के बीच एक सामंजस्य सेतू की भूमिका निभाता आ रहा है और कर्नाटक ही नहीं दिल्ली तक आयोजित विभिन्न संबंधित सेमिनार, महत्त्वपूर्ण सरकारी बैठकों, सम्मेलन में अपनी प्रतिनिधित्व देकर विभिन्न नियम व नीति निर्माण में अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। उन्होंने बताया कि 'सिगा' केन्द्र व राज्य सरकार से समय समय पर सेल्स टेक्स, एक्साइज टेक्स व अन्य नीति निर्धारण में कार्य करती है। सिंघला ने बताया कि वे कर्नाटक सरकार से चाहते हैं कि सरकार कपड़ा उद्योग पर विशेष ध्यान दे और कॉपोरेट घरानों के साथ साथ छोटे छोटे रिटेलरों के विकास पर भी ध्यान केन्द्रीत करें।

मंत्री राजेश चावत ने बताया कि ने बताया कि यह फेयर गत 28 वर्षों से कपड़ा उद्योग के ट्रेंड को बताता आ रहा है और इस फेयर में अनेक कम्पनियां अपने ब्रांड के नए उत्पादों को लांच व प्रदर्शित भी करती है। इस व्यापारिक फेयर में हर बार व्यापारियों द्वारा जमकर खरीददारी व बुकिंग की जाती है। आगामी माहों में आने वाले उत्सव व पर्वो के मद्देनजर इस फेयर में अच्छी बुकिंग की संभावना है और कुल मिलाकर तीन दिन में 3 हजार संभावित ग्राहक व 150 करोड़ से अधिक के व्यवसाय की उम्मीद है।इस आयोजन में कपड़ा उद्योग से जुड़े व्यापारियों को उनके विजिटिंग कार्ड द्वारा प्रवेश दिया जाएगा। चावत ने बताया कि इस बार फेयर में कपड़ा उद्योग के अलावा उद्योग संबंधित इंस्ट्रीज फोटोग्राफी, फैशन शो, साफ्टवेयर, एसेसिरिज, सिक्युरिटी सिस्टम, फर्नीचर आदि के भी स्टॉल देखने को मिलेंगे।

फेयर आयोजन समिति के चेयरमैन गोविंद मूंदड़ा ने बताया कि इस आयोजन को लेकर दक्षिण भारत के कपड़ा उद्योग में एक विशेष उत्साह छाया हुआ है। इस तीन दिवसीय फेयर का उदघाटन 29 को होगा तथा यह फेयर सुबह 10 बजे से लेकर रात 8 बजे तक चलेगा। 30 को सभी व्यापारियों के लिए इन्ट्रेक्टिव नेटवर्किंग मीट का भी आयोजन किया गया है। इस ट्रेड फेयर की तैयारियां जोरों पर है और विभिन्न कमेटियां अपनी अपनी जिम्मेदारी निभा रही है । इस पत्रकार वार्ता में सिगा के उपाध्यक्ष नरेश लखनपाल, कोषाध्यक्ष तेजस मेहता, कार्यकारिणी समिति सदस्य राज टेकरीवाल आदि उपस्थित थे। सभी पदाधिकारियों ने सिगा फेयर के पोस्टर का विमोचन किया।

सोच-विचार और स्वभाव में बदलाव के लिए होती है धर्म की आराधना : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

तपस्वियों की पैदल शोभायात्रा का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में यहां चल रही सोलह दिवसीय कषाय जय तप साधना के प्रतिज्ञा समारोह में जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि धर्म की आराधना या आराध्य की उपासना मात्र पूजा-पाठ और विधि-विधान के लिए ही नहीं होती, जीवन के परिवर्तन के लिए होती है। जरूरी है कि हम दुर्गुणों को दूर करने और सद्गुणों से संपन्न बनने के सभी प्रयास करें। सात्विक जीवन जीएं। आचार्यश्री ने कहा कि जैन साहित्य में क्रोध, अभिमान, माया और लोभ को कषाय कहा गया है। इनका अंतहीन संसार है। जितना इन्हें बढ़ाओ, वे फलते-फूलते रहते हैं। फिर धीरे-धीरे ये हमारे स्वभाव में गहरे उतर जाते हैं। इसी तरह सोच-समझकर जितना इन्हें घटाओ, ये क्षीण भी हो सकते हैं। ज्यों-ज्यों ये बढ़ते हैं, जीवन दुःख और समस्याओं में उलझता जाता है। रोग, शोक, भय, चिंता, सब इन कषायों की उपज हैं। इनको कम करना ही आध्यत्मिक साधना है और इन्हें पूरी तरह नष्ट कर देना साधना की सिद्धि। ये चारों दुर्गुण व्यवहारिक जीवन में भी मनुष्य को बहुत परेशान करते हैं। इनसे फायदा तो कुछ नहीं होता, नुकसान बहुत होता है।

धर्मशास्त्र कहते हैं कि क्रोध को शांति और समत्व से, अभिमान को विन्रमता से, माया को सरलता से और लोभ को संतोष से जीता जा सकता है। इस प्रकार धर्म की आराधना और आध्यात्मिक साधना का प्रारंभिक स्वरूप यही है कि हम अपने जीवन में शांति, समता, नम्रता, सरलता और संतोष भाव का अधिक से अधिक विकास करें।

इससे पूर्व कच्छी दशा ओसवाल पार्श्वनाथ जिनालय से तपस्वियों की पैदल शोभायात्रा का भव्य आयोजन हुआ जिसमें तीन सौ पचपन तपस्वी और बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण शामिल हुए। गणि पद्मविमलसागरजी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए आगे के आयोजनों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।

जैन संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि रविवार से यहां पंद्रह उपवास की सामूहिक साधना प्रारंभ हो रही है। कुछ तपस्वी यहां बड़ी तप साधना में जुड़े हैं। कषाय जय तप के साधकों के लिए रविवार दोपहर को सामूहिक सांझी-भक्तिगीतों का भव्य आयोजन किया गया है।

शरण, स्मरण और आचरण तीनों में भगवान होना चाहिए : मुनिश्री आर्यशेखरविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री आर्यशेखरविजयजी ने कहा कि जिस प्रकार पौधे में कांटे ज्यादा और फूल कम, सरोवर में कीचड़ ज्यादा और कमल कम, जगत में दुर्जन ज्यादा और सज्जन कम मिलते हैं वैसे ही संसार में दुख ज्यादा और सुख कम होता है।

दुःख में तो भगवान याद आते ही हैं लेकिन सुख में भी भगवान को खुमारी से याद करना चाहिए। हमें शरण, स्मरण और आचरण तीनों में भगवान को साथ रखना चाहिए। हृदय को कठोर बनाएंगे तो हृदय में शैतान बैठेगा लेकिन हृदय को कोमल बनाएंगे तो प्रभु अवश्य बैठेंगे। हमें हमारी दृष्टि की जांच करनी चाहिए, चन्द्र में हम कलंक, सागर में खाराश, नदी में कीचड़ देखते हैं, हम जैसी दृष्टि रखेंगे वैसी हम सृष्टि पाएंगे। जैसे हर गांव में मंदिर के साथ शमशान भी होता है वैसे ही अपने जीवन में गुणों की प्रतिष्ठा करने वाला मंदिर और दोषों का दफन करने वाला शमशान भी होना चाहिए। संतश्री ने कहा कि विष और अमृत दोनों एक ही समंदर में हैं। शंकर और कंकर एक ही मंदिर में हैं। यह जमाना चुनाव का है इसलिए मनुष्य के अंदर विद्यमान प्रभुता और पशुता में से हमें प्रभुता को चुनना चाहिए।

तेरापंथ महिला मंडल गाँधीनगर ने मनाई हरियाली तीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल गाँधीनगर के तत्वावधान में लक्ष्मी बोहरा की अध्यक्षता में हरियाली तीज का कार्यक्रम तेरापंथ भवन में आयोजित हुआ। मुनि डॉ पुलकित कुमारजी ने तीज का आध्यात्मिक महत्व बताते हुए मंगल पाठ सुनाया। अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा ने सबका स्वागत करते हुए हरियाली तीज की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि हरियाली तीज जैसे पर्व भारत की संस्कृति में नारी को सिर्फ़ श्रृंगार वस्तु ही नहीं बल्कि संस्कार और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित सायरबाई मालू एवं पूर्व पार्षद कविता पोरवाल का मंडल द्वारा सम्मान किया गया। अतिथियों ने मंडल के कार्यों की सराहना की। प्रायोजक स्वर्णमाला अशोक पोकरना परिवार का मंडल द्वारा सम्मान किया गया। उपाध्यक्ष लता गादिया, किरण गिलुण्डिया, सहमंत्री वीणा पोरवाल, विनीता मरोठी, संगठन मंत्री प्रमिला धोका, प्रचार प्रसार मंत्री संगीत आँचलिया सहित पूर्व अध्यक्ष शांति सकलेचा, कांता लोढ़ा, निर्मला सोलंकी, स्वर्णमाला पोकरना के साथ 170 सदस्याएं उपस्थित थी। कार्यक्रम में अंताक्षरी, नाटिका, तीज पर आधारित प्रश्नोत्तरी, सावन की हाऊसी आदि सांस्कृतिक प्रस्तुति हुई। प्रतियोगिताओं के सभी विजेता को पुरस्कृत किया गया। संयोजिका व कोषाध्यक्ष सीमा श्रीमाल एवं इंदु खिवेसरा ने व्यवस्था संभाली। मंत्री विजेता रायसोनी ने धन्यवाद दिया।

जीवन में शिक्षा के साथ साथ संस्कार भी जरूरी : आचार्यश्री प्रभाकरसूरी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी व साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी की निश्रा में अपने प्रवचन में आचार्यश्री ने व्यक्ति के जीवन में जितनी जरूरत व्यावहारिक शिक्षण की होती है, उससे कई गुणा अधिक आवश्यकता संस्कारों के बीजारोपण करने वाली धार्मिक शिक्षा की है, जो शिक्षा हमें धार्मिक पाठशाला के माध्यम से प्राप्त होती है। आचार्यश्री ने बताया कि साधना का लक्ष्य समभाव (सामायिक) की उपलब्धि है और कोई है और न भविष्य में कोई होगा। इस प्रकार स्वाध्याय समभाव की उपलब्धि हेतु स्वाध्याय और सत्साहित्य का अध्ययन को आध्यत्मिक साधना के क्षेत्र में विशेष महत्त्व दिया गया है, आवश्यक है। सत्साहित्य का स्वाध्याय मनुष्य का एक ऐसा मित्र है, उत्तराध्ययन सूत्र में कहा गया है कि स्वाध्याय से ज्ञान का प्रकाश प्राप्त जो अनुकूल एवं प्रतिकूल दोनों स्थितियों में उसका साथ निभाता है।

आचार्यश्री ने कहा कि हम पर उन परम गुरुओं का उपकार है, जिन्होंने हमारे लिए जिनेन्द्र देव के द्वारा कहे हुए सिद्धान्त एवं वस्तु-स्वभाव धर्म को शास्त्रों में लिख दिया और उनमें हमारे जीवन का आदि से अंत तक का पूरा इतिहास। जो सूक्ष्म तत्त्व उन्होंने अपने समाधिगत चित्त में अनुभव किए थे, वे लिख दिए, जिनको पढ़कर हम अपने मन को अधिक समय तक उनके चिन्तन एवं मनन में लीन रख सकते हैं।

कर्तव्य अकर्तव्य का विवेक उत्पन्न करके निषिद्ध कर्मों से बच सकें, हिताहित का ज्ञान कर सकें। स्वाध्याय एक नन्दन वन है, जिसमें विचरण करने वाला व्यक्ति आधि, व्याधि और उपाधि के ताप से मुक्त होता है और समाधि को प्राप्त करता है। सभा में मुनिश्री महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी, साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी उपस्थित थे।

बेंगलूरु से रामदेवरा तक साइकिल यात्रा आज होगी रवाना

यात्रा से पूर्व भजन संध्या का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय रामदेव एकता संघ द्वारा बाबा रामदेव के दर्शनार्थ आयोजित 19वीं ऐतिहासिक साइकिल यात्रा के शुभारंभ से पहले 'एक शाम श्री बाबा रामदेव जी के नाम' विशाल भजन संध्या का आयोजन शुक्रवार को मैसूर रोड स्थित राजपुरोहित समाज भवन में हुआ। इस मौके पर गौभक्त पुखराज जी महाराज का सान्निध्य प्राप्त हुआ। राजस्थान के भजन गायक रमेश माली, नूतन गहलोत, नरपत देवासी, अगराराम देवासी आदि ने भजनों की प्रस्तुति दी। भजन संध्या में संघ अध्यक्ष रतनसिंह सौढ़ा, नरपतसिंह राजपुरोहित, लाबुराम देवासी, दलपतसिंह भायल, रघुवीरसिंह दासपा एवं साइकिल सहयोगी जबराराम माली सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। ज्ञातव्य है कि रविवार को बेंगलूरु से साइकिल यात्रा रवाना होकर बाबा रामदेव जी के पावन धाम रामदेवरा राजस्थान पहुँचेगी। यात्रा की कुल दूरी लगभग 2700 किलोमीटर है।

केजीएफ के तेरापंथ भवन में आयोजित हुई प्रेक्षाध्यान कार्यशाला

केजीएफ//दक्षिण भारत। तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में एक दिवसीय प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला मंडल की अध्यक्षा सरिता बांठिया ने मंगला चरण किया। प्रिया बांठिया ने प्रेक्षाध्यान साधक एवं प्रशिक्षक डालमचन्द सेठिया, रेणु कोठारी एवं पूजा गुगलिया का परिचय दिया। प्रशिक्षकों ने शिविर में ध्यान, प्रेक्षाध्यान के बारे में जानकारी दी तथा अभ्यास कराया। शिविर में कायोत्सर्ग, प्रेक्षाध्यान की विधि बताई।

दूसरे चरण में महावीर जैन स्कूल के विधार्थियों के लिए आयोजित कार्यशाला में दीर्घ श्वास प्रेक्षा एवं महाप्राण ध्वनि का प्रयोग कराया गया। तीसरे चरण में अनुप्रेक्षा के बारे में जानकारी देते हुए अनित्य प्रेक्षा का प्रयोग कराया गया। अंत में महावीर जैन स्कूल के शिक्षकों को ध्यान के बारे में जानकारी देते हुए समताल श्वास का प्रयोग कराया गया। डालम सेठिया ने कहा की एक अच्छा ध्यान साधक बनना है तो सर्वप्रथम नींद अच्छी लेनी चाहिए। साध्वी पावन प्रभाजी की प्रेरणा से आयोजित इस कार्यशाला में तेरापंथ सभा, महिला मंडल, युवक परिषद, महावीर जैन स्कूल के बच्चे एवं शिक्षकों की अच्छी उपस्थिति रही। सभा के मंत्री सुशील बांठिया ने धन्यवाद दिया।

सौम्य व्यक्ति ही धर्म करने के लिए योग्य : साध्वी मयूरयशाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी मयूरयशाश्रीजी ने धर्मरत्न प्रकरण का वाचन करते हुए श्रावक के 21 गुणों के अंतर्गत तीसरी सौम्य प्रकृति गुण का वर्णन करते हुए बताया कि कोई भी चीज को ऊपर ऊपर से नहीं पर उड़ान से देखकर निर्णय करना चाहिए। जो व्यक्ति सौम्य प्रकृति गुण वाला है वह धर्म करने के लिए योग्य है। वर्तमान को देखकर हम कोई भी निर्णय नहीं कर सकते। उसके लिए हमें भूतकाल में जाना होगा। नरक गति में क्रोध कषाय की मात्रा अधिक है, तीर्यच गति में माया अधिक है, मनुष्य गति में मान कषाय अधिक है और देवभव में लोभ कषाय अधिक है। जो जिस गति से आता है उसका स्वभाव भी वैसा ही होता है। शनिवार को दिव्य दृष्टि हॉस्पिटल के सहयोग से संघ के अंतर्गत फ्री आई चेक अप कैंप का आयोजन किया गया।

जीतो साउथ की महिलाओं ने किए साध्वी के दर्शन, जानी जीवन जीने की कला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो साउथ लेडीज़ विंग ने 'आर्ट ऑफ़ लिविंग' सत्र के अंतर्गत शुक्रवार को सिमंधर स्वामी उपाश्रय में आयोजित कार्यक्रम में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। लेडीज़ चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। सभी महिला सदस्याओं ने साध्वी अर्हमवर्षाजी के दर्शन किए व आशीर्वाद लिया। पदाधिकारियों ने साध्वीश्री को जीतो की गतिविधियों से अवगत कराया। इस सत्र में जीवन को संवारने वाले गुणों व सूत्रों पर प्रकाश हाला गया। सत्र में क्रोध मैनेंजमेन्ट, सीमा प्रबंधन, जीवन परिवर्तन, हर कार्य को करना, अपेक्षा, मित्रवत व्यवहार आदि विषयों पर चर्चा हुई। मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में संयोजिका हेमा सोलंकी, सह संयोजिका वनीता बच्छावत, केकेजी ज़ोन की संयोजिका पिंकी जैन, उपाध्यक्ष लता बोहर, नीलम शांड, कोषाध्यक्ष संगीता पारख, संयुक्त सचिव साक्षी नगर एवं चंद्रा जैन सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com